वर्ष : 27 अंक : 52 website:www.chetnamanch.com नोएडा, मंगलवार, 11 फरवरी, 2025 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

45 करोड़ श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

माघ पूर्णिमा से पहले श्रद्धालुओं का सैलाब

महाकुम्भ नगर (एजेंसी)। प्रयागराज महाकुम्भ में माघ पूर्णिमा के स्नान पर्व को देखते हुए प्रशासन ने विशेष यातायात योजना बनाई है। इसके अंतर्गत, 11 फरवरी 2025 की सुबह 4:00 बजे से संपूर्ण मेला क्षेत्र को 'नो व्हीकल जोन' घोषित किया गया है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम स्नान के लिए केवल आवश्यक एवं आकस्मिक सेवाओं को ही प्रवेश की अनुमति होगी। 12 फरवरी तक यह व्यवस्था रहेगी। महाकुम्भ में अब तक 45 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। माघ पूर्णिमा पर स्नान को लेकर प्रयागराज में रेलवे स्टेशनों और बस स्टैंड पर भारी भीड़ है।

यातायात प्लान के तहत प्रयागराज आने वाले श्रद्धालुओं के निजी व सार्वजनिक वाहनों को 11 फरवरी को सुबह 4:00 बजे के बाद संबंधित रूट की पार्किंग में पार्क कराया जाएगा। इससे शहर में यातायात अव्यवस्था न हो और श्रद्धालु पैदल सुगमता से स्नान घाटों तक पहुंच सकेंगे। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

महाकुम्भ क्षेत्र बनाया 'नो व्हीकल जोन'

कल्पवासियों के वाहनों पर भी रहेगा प्रतिबंध

महाकुम्भ में कल्पवास कर रहे श्रद्धालुओं के वाहनों पर भी यह नियम लागू रहेगा। प्रशासन ने सभी कल्पवासियों से अनुरोध किया है कि वे नियमों का पालन करें और अधिकृत पार्किंग स्थलों का उपयोग करें। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अनुरोध किया है कि वे यातायात नियमों का पालन करें और सहयोग दें, ताकि महाकुम्भ का यह महत्वपूर्ण स्नान पर्व सुगमतापूर्वक संपन्न हो सके।

महाकुम्भ मार्ग पर थमने न दें यातायात : मुख्यमंत्री

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार देर रात शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में प्रयागराज, कौशाम्बी, कानपुर, सुल्तानपुर, अमेठी, वाराणसी, अयोध्या, मीरजापुर, जौनपुर, चित्रकूट, बांदा, प्रतापगढ़, भदोही, रायबरेली, गोरखपुर, महोबा और लखनऊ आदि जनपदों/जोन/रेंज में तैनात वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और मंडलायुक्तों तथा जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विशेष बैठक कर महाकुम्भ की व्यवस्थाओं की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी 12 फरवरी को महाकुम्भ का पंचम स्नान पर्व 'माघ पूर्णिमा' का अवसर आने वाला है। विगत एक सप्ताह से प्रयागराज में हर दिशा से लोगों का आवागमन तेजी से बढ़ा है। सार्वजनिक परिवहन के अतिरिक्त बड़ी संख्या में निजी वाहनों से भी लोगों का आगमन हो रहा है। स्नान पर्व पर इसमें और अधिक बढ़ोतरी संभावित है। इसके दृष्टिगत बेहतर ट्रैफिक और क्राउड मैनेजमेंट प्लान लागू किया जाए। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

फाइनेंसरों ने उद्यमी से हड़पी रेंज रोवर कार

ब्याज पर पैसे देने के बहाने झांसे में फंसाया

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ब्याज पर पैसे देने का झांसा देकर प्राइवेट फाइनेंसरों ने एक उद्यमी से उसकी रेंज रोवर कार हड़प ली। ब्याज पर पैसे ना मिलने पर उद्यमी ने जब अपनी कार और सिक्योरिटी के रूप में दिए गए चेक को वापस मांगा तो आरोपियों ने गाली गलौज करते हुए झूठे मुकदमे में फंसवाने व जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने इस संबंध में दो आरोपियों के खिलाफ थाना बादलपुर में मुकदमा दर्ज कराया है।

ग्राम सादोपुर निवासी आयुष चौधरी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह अपनी फर्म मैसर्स चौधरी इंटरप्राइजेज में प्रतिवर्ष लगभग 40 करोड रुपए का फूड ग्रेंस का व्यापार करता है। कुछ समय पूर्व उसे अपने व्यापार के लिए 70 लाख रुपए की आवश्यकता पड़ी। इस दौरान उसने 17 अक्टूबर 2024 को अपने परिचित सोनू सिंह निवासी ग्राम कचेड़ा तथा महेश कुमार निवासी ग्राम इकला गाजियाबाद से संपर्क किया। सोनू और महेश कुमार दोनों इंटरेस्ट पर फाइनेंस का काम करते थे। बातचीत के बाद सोनू व महेश ने तीन प्रतिशत प्रतिमाह ब्याज की दर से उसे 65 लाख रुपए फाइनेंस कर पैसा देने का आश्वासन दिया। सिक्योरिटी के तौर पर उन्होंने 90 लाख रुपए की उसकी नई रेंज रोवर कार व 65 लाख रुपए का पोस्ट डेटेड चेक ले लिया। 18 अक्टूबर को 100 रुपए के दो स्टांप पेपर पर एक एग्रीमेंट तैयार किया गया। सोनू व महेश ने 19 अक्टूबर को एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर करने के बाद उसके खाते में फाइनेंस का पैसा ट्रांसफर **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

किसान कोटे के प्लॉट पर माँ-बेटों ने की जालसाजी

प्लॉट बेचने के नाम पर हड़पे 25 लाख

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। किसान कोटे का प्लॉट बेचने के नाम पर मां बेटों ने एक व्यक्ति के 25 लाख रुपए हड़प लिए। पीड़ित ने थाना बीटा-2 में पैसे हड़पने व धोखाधड़ी करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है।

ग्राम साकीपुर निवासी अनिल कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि गांव की ही श्रीमती वीरवती व उसके पुत्र वीर सिंह तथा मंगेश भाटी ने वर्ष 2022 में उससे अपना किसान कोटे का प्लाट बेचने के लिए संपर्क किया। बातचीत के बाद 220 वर्ग

मीटर के प्लाट का सौदा 66 लाख रुपए में तय हुआ। वीरवती ने बताया कि उसके बैंक खाते में विधवा पेंशन आती है, अगर उसके खाते में इतनी बड़ी रकम की ट्रांजैक्शन होगी तो उसे भविष्य में परेशानी हो सकती है इसलिए वह उसके हिस्से की पेमेंट उसके बड़े बेटे वीर सिंह के खाते में कर दें। 3 नवंबर 2022 को उसने वीर सिंह व मंगेश भाटी के बीच एक रजिस्टर्ड इकरारनामा कर 10 लाख रुपए नगद तथा 15 लाख रुपए चेक के माध्यम से दे दिए। बकाया 41 लाख रुपए प्लॉट की रजिस्ट्री के समय दिए जाने तय हुए।

अनिल कुमार के मुताबिक वीरवती व उसके पुत्र उसे रजिस्ट्री के लिए टरकाना लगे। उसने कई बार प्लॉट की रजिस्ट्री किए जाने को कहा लेकिन आरोपियों ने रजिस्ट्री नहीं कराई। अनिल कुमार के मुताबिक वह 10 नवंबर 2024 को प्लॉट के शेष बचे 41 लाख रुपए लेकर आरोपियों **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

विधायक ने किया 15 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण

1 करोड़ के दो कार्यों का भी किया शिलान्यास

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा विधानसभा क्षेत्र के विधायक पंकज सिंह ने आज 15 करोड़ रूपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। वहीं 1 करोड़ के लागत वाली दो विकास कार्यों का शिलान्यास भी किया।

विधायक पंकज सिंह ने नया गांव में 2.28 करोड़ की लागत से बने सामुदायिक केन्द्र का लोकार्पण किया। इसके अलावा सेक्टर-82 पुलिस चौकी से पॉकेट-7 तक 4.77 करोड़ की लागत से बने आरसीसी बॉक्स ड्रेन कवरिंग का कार्य, सेक्टर-93 व 82 और 92 व 93ए क्रासिंग पर 85.48 लाख की लागत का बिटुमिन मैस्टिंग का कार्य, सेक्टर-82 में विवेक विहार और केंद्रीय विहार में कच्ची पटरियों पर 76.80 लाख के सीसी पेवर ब्लॉक व नाली ऊंची करने का काम, सेक्टर-82 बस टर्मिनल से सेक्टर-82 पुलिस चौकी तक 4.05 करोड़ की लागत से नाला सुदृढीकरण व कवर करने का कार्य, सेक्टर-82 में एलआईजी उद्योग विहार पॉकेट-7 पॉकेट-12 ईडब्ल्यूएस में 2.67 करोड़ में तैयार इंटर लाकिंग टाइल्स के कार्यों का लोकार्पण किया। इसके अलावा जिन कार्यों का शिलान्यास किया गया उसमें सेक्टर-82 में पॉकेट-12 के सामने स्थित वाणिज्यिक भूखंड की बाउंड्रीवाल का निर्माण कार्य (65.48 लाख), सेक्टर-82 स्थित स्वर्णिम विहार में बाउंड्रीवॉल व दिशा सूचक बोर्ड का निर्माण (38.38 लाख) में शामिल है। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

ऑटो चालक ने युवती से की अभद्रता

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बीटा-2 में एक युवती ने ऑटो चालक के खिलाफ अभद्रता करने तथा सामान झपटने का प्रयास करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। सुपरटेक अपकंट्री सोसाइटी में रहने वाली विनीता काल्पनिक नाम ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसने 1 फरवरी की रात्रि को परी चौक मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 2 से घर आने के लिए ऑटो लिया था। ऑटो चालक ने परी चौक पुलिस बूथ के पास से एक और आदमी को ऑटो में बैठा लिया। चुहरपुर अंडरपास से चालक ने ऑटो को गलत दिशा में मोड़ दिया। उसने जब इसका विरोध किया तो ऑटो चालक ने बताया कि उसे मुर्शदपुर स्थित सीएनजी पंप से **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

नोएडा से दो किशोरियां लापता

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर जिले के अलग-अलग स्थानों से दो किशोरियां लापता हो गई। किशोरियों के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और उनकी तलाश कर रही है। बिसरख गांव में किराए पर रहने वाले मनोज (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 2 फरवरी को अपनी पत्नी के साथ भतीजे के लिए लड़की देखने के लिए मध्य प्रदेश गया था। उसकी (16 वर्षीय) बेटी घर पर अकेली थी। 4 फरवरी को उसकी बेटी को मनीष नामक युवक बहला फुसलाकर अपने साथ भगा कर ले गया। जानकारी मिलने पर उसने अपनी बेटी की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। वहीं थाना सेक्टर-24 क्षेत्र के सेक्टर-12 में रहने वाली एक किशोरी घर से बिना बताए चली गई। किशोरी के मामा की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

बाइक सवार बदमाश मुठभेड़ में घायल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से एक बदमाश घायल हो गया। बदमाशों के पास से दो तमंचे, कारतूस व चोरी की बाइक बरामद हुई है।

सेंट्रल जोन के एडीसीपी हृदेश कठेरिया ने बताया कि थाना बिसरख पुलिस कामाख्या विला से चिपियाना की ओर जाने वाले रास्ते पर चेकिंग कर रही थी। चिपयाना की तरफ से बाइक पर आ रहे दो युवक पुलिस को देखकर भागने लगे। संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने बाइक का पीछा किया। तेज गति में बाइक भगा रहे बदमाशों की बाइक अनियंत्रित होकर फिसल कर गिर गई। खुद को घिरा देखकर बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायर कर दिया। जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से एक बदमाश घायल हो गया जबकि उसका दूसरा साथी मौके से फरार हो गया। घायल बदमाश की पहचान अमित पुत्र रिशिपाल निवासी जनपद संभल के रूप में हुई। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम ने कांबिंग के दौरान फरार **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

उत्तराखंड में बड़ी चोरी का था प्लान, पुलिस ने बिगाड़ा खेल

एनकाउंटर में दो बदमाशों को लगी गोली

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-58 पुलिस ने मुठभेड़ के बाद 3 शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ में पुलिस की गोली लगने से दो बदमाश घायल हो गए। पकड़े गए बदमाश उत्तराखंड के एक घर में चोरी की बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में थे।

एडीसीपी नोएडा सुमित शुक्ला ने बताया कि थाना सेक्टर 58 पुलिस सेक्टर-62 जयपुरिया चौराहे पर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान बाइक पर आ रहे दो युवकों को पुलिस टीम ने रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर बाइक सवार नहीं रुके और भागने का प्रयास करने लगे। संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने बाइक सवारों का पीछा किया। हड़बड़ी में बाइक सवार संतुलन खो बैठा और बाइक डिवाइडर से टकराकर गिर गई।

अपने आप को घिरा देखकर बदमाशों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाश गोली लगने से घायल हो गए। इसके बाद पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। पकड़े गए बदमाशों की पहचान हरजीत पुत्र गुन्नू निवासी ग्राम अंगरोला गाजियाबाद व अरुण पुत्र गोविंद निवासी त्रिलोकपुरी दिल्ली के रूप में हुई। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

(हम भीड़ मे दौड़ना नहीं जीतना सिखाते हैं)
कोड 0910011910
सरस्वती ग्लोबल स्कूल
सेक्टर-22, नोएडा 8750611103
*फीस ना के बराबर *निःशुल्क एडमिशन फीस
केवल 10 महीने की मासिक फीस

मोटापे की वजह

निष्क्रिय जीवन व प्रसंस्कृत खाद्य-पेय पदार्थों के सेवन वाली पश्चिमी भोजनशैली का अंधानुकरण मोटापे के मुख्य कारण हैं। विडंबना यह है कि हम मोटापे को गंभीरता से नहीं लेते, जबकि यह अनेक गंभीर गैर संक्रामक रोगों की वजह बनता है। दरअसल, मोटापे के कारण मधुमेह व उच्च रक्तचाप के साथ ही उच्च कोलेस्ट्रोल की स्थिति पैदा होती है, जो कालांतर में हृदय रोग का कारण भी बनती है। प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय मेडिकल पत्रिका लैंसेट के अनुसार वर्ष 2022 में भारत में करीब सात करोड़ लोग मोटापे से पीड़ित थे। जिसमें 4.4 करोड़ संख्या महिलाओं की थी। सबसे ज्यादा गंभीर बात यह है कि सवा करोड़ बालक-बालिकाएं भी मोटापे से पीड़ित थीं। वहीं आईसीएमआर की रिपोर्ट तो बड़े खतरे की ओर इशारा करती है। जिसके अनुसार देश में करीब बारह करोड़ लोग मोटापे से होने वाली बीमारियों मसलन डाइबिटीज, उच्च रक्तचाप, उच्च कोलेस्ट्रोल आदि से पीड़ित हैं। निश्चित रूप से यह स्थिति स्वस्थ भारत के मिशन के लक्ष्य पर पानी फेरने वाली है। तभी पिछले दिनों राष्ट्रीय खेलों के उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोटापे की गंभीर होती समस्या पर चिंता जताई थी। उन्होंने देश में मोटापे के खिलाफ जन अभियान शुरू करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री की इस अपील को देश की प्रसिद्ध हस्तियों का भरपूर समर्थन मिला है। इतना ही नहीं, विश्व स्वास्थ्य संगठन की दक्षिण पूर्व एशिया इकाई ने प्रधानमंत्री की सार्थक पहल का स्वागत करते हुए नियमित शारीरिक सक्रियता, पौष्टिक व संतुलित भोजन की प्राथमिकता के साथ मोटापे के विरुद्ध मुहिम की बात कही। उल्लेखनीय है कि मोटापे के खिलाफ राष्ट्रव्यापी मुहिम की जिम्मेदारी देश के सात सौ मेडिकल कॉलेजों को सौंपी गई है। मेडिकल कॉलेज के स्वास्थ्य विशेषज्ञों व कार्यकर्ताओं की टीमें घर-घर जाकर संदेश देंगी कि मोटापा सिर्फ समस्या नहीं बल्कि गंभीर बीमारियों का कारक है। इस मुहिम में शामिल होते हुए दिल्ली एम्स के चौदह डॉक्टरों ने मोटापे के हमारी सेहत पर पड़ने वाले घातक प्रभावों पर विमर्श करते हुए, नागरिकों से सक्रिय व स्वस्थ जीवन शैली अपनाने का आह्वान किया। महत्वपूर्ण बात यह है कि शीघ्र ही देश के सभी सरकारी अस्पतालों में मोटापे के खिलाफ अभियान के क्रम में विशेष ओपीडी संचालित होंगी। यहां अन्य स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अलावा आहार विशेषज्ञ भी पौष्टिक व संतुलित भोजन के साथ योग व व्यायाम की जानकारी देंगे। चिकित्सकों का मानना है कि मोटापे की वजह से फेफड़ों पर भी दबाव बढ़ता है। इससे अस्थमा व नींद की अनियमितता से जुड़ी बीमारियां पैदा हो सकती हैं। वहीं जोड़ों पर अधिक दबाव बढ़ने से गठिया और आर्थराइटिस जैसी बीमारियां भी पैदा हो सकती हैं। यही वजह है कि डब्ल्यूएचओ मोटापे को एक वैश्विक महामारी के रूप मे देख रहा है। जो पिछले पांच दशकों में तीन गुना बढ़ चुका है। सबसे बड़ी चुनौतियां गृहिणियों के स्वास्थ्य को लेकर हैं। दरअसल, महिलाओं में वर्ष 2022 में मोटापे की दर 9.8 फीसदी हो गई है। निश्चित रूप से देश में मोटापे के खिलाफ लड़ाई कई मोर्चों पर लड़नी होगी। योग व अन्य शारीरिक व्यायाम इसमें खासे मददगार हो सकते हैं।

ब्याज दरों के नीचे जाने का चक्र प्रारम्भ

भारतीय रिजर्व बैंक के नवनियुक्त अध्यक्ष संजय मल्होत्रा ने अपने कार्यकाल की प्रथम मुद्रानीति दिनांक 7 फरवरी 2025 को घोषित की। अभी तक प्रत्येक दो माह के अंतराल पर भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा घोषित की गई मुद्रा नीति के माध्यम से लिए गए निर्णयों का देश में मुद्रा स्फीति को नियंत्रण में रखने में विशेष योगदान रहा है। हालांकि पिछले लगभग 5 वर्षों में रेपो दर में किसी भी प्रकार का परिवर्तन नहीं किया गया है। मई 2020 में अंतिम बार रेपो दर में वृद्धि की घोषणा की गई थी। इसके बाद घोषित की गई 29 मुद्रा नीतियों में रेपो दर को स्थिर रखा गया है और यह अभी भी 6.5 प्रतिशत के स्तर पर कायम है। परंतु,अब फरवरी 2025 माह में घोषित की गई मुद्रा नीति में रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की कमी करते हुए इसे 6.50 प्रतिशत से 6.25 प्रतिशत पर लाया गया है। केंद्र सरकार द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक को देश में मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रण में रखने हेतु मेंडेट दिया गया है और इस मेंडेट पर ध्यान रखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ने देश में मुद्रा स्फीति को नियंत्रण में रखने में सफलता भी पाई है। परंतु, वित्तीय वर्ष 2024-25 के प्रथम एवं द्वितीय तिमाही में देश के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर घटकर 5.2 प्रतिशत एवं 5.4 प्रतिशत के निचले स्तर पर आ गई थी, जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत की रही थी। अत: देश में आर्थिक विकास की दर पर भी अब विशेष ध्यान देने की आवश्यकता प्रतिपादित हो रही थी, इसीलिए भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं में कमी की घोषणा की है। रेपो दर में कमी करने का उक्त निर्णय मुद्रानीति समिति के समस्त सदस्यों ने एकमत से लिया है।

भारतीय रिजर्व बैंक के आंकलन के अनुसार वित्तीय वर्ष 2024-45 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 6.4त्न की रहेगी और वित्तीय वर्ष 2025-26 में यह बढ़कर 6.7 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच जाएगी। इस वर्ष खरीफ की फसल बहुत अच्छे स्तर पर आई है एवं आगे आने वाली रबी की फसल भी ठीक रहेगी क्योंकि मानसून की बारिश अच्छी रही थी और देश के जलाशयों में, क्षमता के अनुसार, पर्याप्त पानी इन जलाशयों में उपलब्ध है, जिसे कृषि सिंचाई के लिए उपयोग में लाया जा रहा है और जो अंतत: कृषि की पैदावार को बढ़ाने में सहायक होगा। इससे ग्रामीण इलाकों में उत्पादों की मांग में वृद्धि देखी गई है। हालांकि शहरी इलाकों में उत्पादों की मांग में अभी भी सुधार दिखाई नहीं दिया है। परंतु हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा मध्यमवर्गीय करदाताओं को आय कर में दी गई जबरदस्त छूट के चलते आगे आने वाले समय में शहरी क्षेत्रों में भी उत्पादों की मांग में वृद्धि दर्ज होगी और विनिर्माण क्षेत्र में कार्यरत औद्योगिक इकाईयों की उत्पादन वृद्धि दर तेज होगी। सेवा क्षेत्र तो लगातार अच्छा प्रदर्शन कर ही रहा है। प्रयागराज में आयोजित महाकुम्भ मेले में धार्मिक पर्यटन के चलते देश की अर्थव्यवस्था में लगभग 2 लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त योगदान होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इस प्रकार, भारत की आर्थिक विकास दर के वित्तीय वर्ष

2023-24 में लगभग 7 प्रतिशत एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 में लगभग 8 प्रतिशत रहने के प्रबल सम्भावना बनती है। भारतीय रिजर्व बैंक का आंकलन उक्त संदर्भ में कम ही कहा जाना चाहिए।

इसी प्रकार मुद्रा स्फीति के संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान के अनुसार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई की दर वित्तीय वर्ष 2024-25 में 4.8 प्रतिशत एवं वित्तीय वर्ष 2025-26 में घटकर 4.2 प्रतिशत रह सकती है। भारत में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई की दर मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों के महंगे होने के चलते ही बढ़ती है, जिसे ब्याज दरों को बढ़ाकर नियंत्रण में नहीं लाया जा सकता है। हेडलाइन मुद्रा स्फीति की दर अक्टूबर 2024 में अपने उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गई थी परंतु उसके बाद से लगातार नीचे ही आती रही है। इसी प्रकार, कोर मुद्रा स्फीति की दर भी लगातार नियंत्रण में बनी रही है। केवल खाद्य पदार्थों में के महंगे होने के चलते उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई पर दबाव जरूर बना रहा है। इस प्रकार महंगाई दर के नियंत्रण में आने से अब भारत में ब्याज दरों में कमी का दौर प्रारम्भ हो गया है। आगे आने वाले समय में भी भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में कमी की घोषणा की जाती रहेगी ऐसी सम्भावना व्यक्त की जा रही है और दिसम्बर 2025 तक रेपो दर में लगभग 100 आधार बिंदुओं की कमी की जा सकती है और रेपो दर घटकर 5.25 प्रतिशत तक नीचे आ सकती है। हालांकि भारतीय रिजर्व बैंक का कहना है कि देश में आर्थिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर रेपो दर में परिवर्तन के बारे में समय समय पर विचार किया जाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक ने नीति उद्देश्य को भी निष्पक्ष रखा है परंतु चूंकि ब्याज दरों में अब कमी करने का चक्र प्रारम्भ हो चुका है अत: इसे उदार रखा जा सकता था। इसका आशय यह है कि आगे आने वाले समय में भी रेपो दर में कमी की सम्भावना बनी रहेगी।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में की गई कमी की घोषणा के बाद अब विभिन्न बैंकों को ऋणराशि पर ब्याज दरों को कम करते हुए ऋणदाताओं को लाभ पहुंचाने के बारे में शीघ्रता से विचार करना चाहिए जिससे आम नागरिकों द्वारा बैंकों को अदा की जाने वाली किश्तों एवं ब्याज राशि में कुछ राहत महसूस हो सके। इससे अर्थव्यवस्था में भी कुछ गति आने की सम्भावना बढ़ेगी।

दिसम्बर 2024 माह में देश में तरलता में कुछ कमी महसूस की जा रही थी और बैंकों के पास ऋण प्रदान करने योग्य फंड्स की कमी महसूस की जा रही थी। भारतीय रिजर्व बैंक ने तुरंत निर्णय लेते हुए आरक्षित नकदी अनुपात को 4.5 प्रतिशत से घटाकर 4 प्रतिशत कर दिया था, जिससे बैंकों की तरलता की स्थिति में कुछ सुधार दृष्टिगोचर हुआ था। बैंकों के लिए इसे अधिक सरल बनाने की दृष्टि से जनवरी 2025 में भी भारतीय रिजर्व बैंक ने लगभग 1.50 लाख करोड़ रुपए बांड्स विभिन्न बैंकों से खरीदे थे ताकि इन बैंकों की तरलता की स्थिति में और अधिक सुधार किया जा सके और बैंकिंग सिस्टम में तरलता की वृद्धि की जा सके। उक्त वर्णित उपायों का परिणाम यह है कि आज भारतीय बैंकों का ऋणजमा अनुपात 80.8 प्रतिशत के स्तर पर बना हुआ है और बैंकों की लाभप्रदता में भी लगातार सुधार होता दिखाई दे रहा है। विभिन्न बैंकों द्वारा अभी तक घोषित किए गए परिणामों के अनुसार, बैंकों ने लगभग 1.50 लाख करोड़ रुपए का लाभ घोषित किया है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जरूर परिस्थितियां अभी भी अस्थिर बनी हुई हैं और वैश्विक स्तर पर रुपए पर दबाव बना हुआ है। अभी हाल ही में डॉलर इंडेक्स 109 के स्तर तक पहुंच गया था और 10 वर्षीय यू एस बांड यील्ड भी 4.75 प्रतिशत तक पहुंच गई थी, इससे अन्य देशों की मुद्राओं पर दबाव बढ़ता जा रहा है और आज अमेरिकी डॉलर के मुकाबले में रुपए की कीमत अपने निचले स्तर 87.66 पर पहुंच गई थी। परंतु, आगे आने वाले समय में अमेरिका में भी यदि ब्याज दरों में कमी की घोषणा होती है तो भारत में भी ब्याज दरों में कमी का चक्र और भी तेज हो सकता है। ब्रिटेन एवं कुछ अन्य यूरोपीयन देशों ने भी हाल ही के समय में ब्याज दरों में कमी की घोषणा की है। चूंकि अब कई देशों में मुद्रा स्फीति नियंत्रण में आ चुकी है अत: अब लगभग समस्त देश ब्याज दरों में कमी की घोषणा करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इससे अब आने वाले समय में इन देशों में आर्थिक विकास दर में कुछ तेजी आते हुए भी दिखाई देगी। अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने के चलते अमेरिका के शेयर बाजार में केवल जनवरी 2025 माह में ही 15,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि निवेशकों द्वारा डाली गई है, जबकि भारत के शेयर बाजार से 2.50 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा निकाली गई है, इससे भी भारतीय रुपए पर दबाव बना हुआ है। परंतु भारतीय रिजर्व बैंक को शायद आभास है कि यह समस्या अस्थायी है एवं भारतीय कम्पनियों की लाभप्रदता में सुधार होते ही विदेशी संस्थागत निवेशक पुन: भारतीय शेयर बाजार में अपने निवेश को बढ़ाएंगे। अमेरिका एवं चीन के बीच छिड़े व्यापार युद्ध का प्रभाव भी भारत पर सकारात्मक रहने की सम्भावना है क्योंकि इससे यदि चीन से अमेरिका को निर्यात कम होते हैं तो सम्भव हैं कि भारत से अमेरिका को निर्यात बढ़ें। भारत से निर्यात बढ़ने पर भारतीय रुपए पर दबाव कम होने लगेगा, जिससे भारतीय रिजर्व बैंक को भारत में रेपो दर को कम करने में और अधिक आसानी होगी।

- प्रहलाद सबनानी
सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक,
भारतीय स्टेट बैंक

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि जो मनुष्य आँख में अँगुली लगाकर देखता है, उसके लिए तो दो चन्द्रमा प्रकट (प्रत्यक्ष) हैं। हे पार्वती! श्री रामचन्द्रजी के विषय में इस प्रकार मोह की कल्पना करना वैसा ही है, जैसा आकाश में अंधकार, धुएँ और धूल का सोहना (दिखना)। (आकाश जैसे निर्मल और निर्लेप है, उसको कोई मलिन या स्पर्श नहीं कर सकता, इसी प्रकार भगवान श्री रामचन्द्रजी नित्य निर्मल और निर्लेप हैं।) उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

बिषय करन सुर जीव समेता। सकल एक तें एक सचेता॥
सब कर परम प्रकासक जोई। राम अनादि अवधपति सोई॥

विषय, इन्द्रियाँ, इन्द्रियों के देवता और जीवात्मा- ये सब एक की सहायता से एक चेतन होते हैं। (अर्थात विषयों का प्रकाश इन्द्रियों से, इन्द्रियों का इन्द्रियों के देवताओं से और इन्द्रिय देवताओं का चेतन जीवात्मा से प्रकाश होता है।) इन सबका जो परम प्रकाशक है (अर्थात जिससे इन सबका प्रकाश होता है), वही अनादि ब्रह्म अयोध्या नरेश श्री रामचन्द्रजी हैं॥

जगत प्रकास्य प्रकासक रामू। मायाधीस ग्यान गुन धामू॥
जासु सत्यता तें जड़ माया। भास सत्य इव मोह सहाया॥

यह जगत प्रकाश्य है और श्री रामचन्द्रजी इसके प्रकाशक हैं। वे माया के स्वामी और ज्ञान तथा गुणों के धाम हैं। जिनकी सत्ता से, मोह की सहायता पाकर जड़ माया भी सत्य सी भासित होती है॥

दो0-रजत सीप महुँ भास जिमि जथा भानु कर बारि।
जदपि मृषा तिहुँ काल सोइ भ्रम न सकइ कोउ टारि॥

जैसे सीप में चाँदी की और सूर्य की किरणों में पानी की (बिना हुए भी) प्रतीति होती है। यद्यपि यह प्रतीति तीनों कालों में झूठ है, तथापि इस भ्रम को कोई हटा नहीं सकता॥

(क्रमशः...)

बेटी नहीं बचाओगे, तो बहू कहाँ से लाओगे?

हरियाणा में एक कहावत है, बेटी नहीं बचाओगे, तो बहू कहाँ से लाओगे? हालांकि यह मान लेना गलत है कि सभी बेटियाँ भावी दुल्हन हैं, फिर भी यह मुहावरा एक ऐसे राज्य में लिंग-चयनात्मक गर्भपात के गंभीर परिणामों की ओर ध्यान आकर्षित करने में प्रभावी है, जो दशकों से बेटियों की कमी से जूझ रहा है। स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और आय में प्रगति के बावजूद भारत का जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) कम बना हुआ है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5, 2019-21) द्वारा एसआरबी को प्रति 1,000 लड़कों पर 929 लड़कियाँ बताया गया। यह एनएफएचएस-4 (2015-16= प्रति 1,000 लड़कों पर 919 लड़कियाँ) की तुलना में थोड़ा सुधार है, लेकिन यह अभी भी एक निरंतर लिंग पूर्वाग्रह दिखाता है। ऐतिहासिक रूप से कुछ राज्यों में, विशेष रूप से उत्तरी और पश्चिमी भारत में अधिक विषम अनुपात रहे हैं।

1994 के गर्भाधान पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक (पीसीपीएनडीटी) अधिनियम के बावजूद, जन्मपूर्व लिंग निर्धारण तकनीकों द्वारा लिंग-पक्षपाती लिंग चयन संभव हो गया है। धनी आर्थिक समूहों और उच्च जातियों में पुरुषों के प्रति झुकाव वाली एसआरबी की दर अधिक है, जो यह दर्शाता है कि मौद्रिक प्रोत्साहन अकेले पर्याप्त निवारक नहीं हो सकते हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के लागू होने के बाद से हिमाचल प्रदेश, पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में एसआरबी में सुधार हुआ है। दक्षिणी और पूर्वी राज्यों में एसआरबी में गिरावट आ रही है, जिन्हें आम तौर पर बेहतर लिंग अनुपात के लिए जाना जाता है। यह एक चिंताजनक प्रवृत्ति है। हालाँकि दिल्ली के आसपास के राज्यों में सुधार हुआ है, लेकिन दिल्ली में भी एसआरबी में गिरावट देखी गई है। जबकि यहाँ बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के लिए बुनियादी लक्ष्य और रणनीतियाँ थीं।

पीसीपीएनडीटी अधिनियम को और अधिक सख्ती से लागू करके लिंग के आधार पर लिंग चयन को प्रतिबंधित करना होगा। लड़कियों की शिक्षा, सुरक्षा और जीवन रक्षा को बढ़ाना होगा। बाल विवाह में देरी करना और महिलाओं की शैक्षिक प्राप्ति को बढ़ाना जरूरी है। पितृसत्तात्मक मान्यताओं से निपटने के लिए राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर प्रयासकरने होंगे। लिंग-चयनात्मक गर्भपात को रोकने के लिए, पीसीपीएनडीटी अधिनियम को मजबूत किया जाना चाहिए। वित्तीय प्रोत्साहन जैसे कि हरियाणा के लाडली और आपकी बेटी हमारी बेटी जैसे कार्यक्रम परिवारों को लड़कियों की मदद करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। शैक्षिक सशक्तिकरण, छात्रवृत्ति और बुनियादी ढांचे के समर्थन के माध्यम से लड़कियों की शिक्षा के लिए धन मुहैया कराना प्रभावी कदम है। उच्च विषमता वाले क्षेत्रों के बाहर सीमित प्रभावशीलता बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का प्रभाव अलग-अलग है; कुछ दक्षिणी और पूर्वी राज्यों में एसआरबी में गिरावट देखी जा रही है। इसका मतलब है कि उच्च विषमता वाले राज्यों में केंद्रित हस्तक्षेप पर्याप्त नहीं हैं।

बेटे को प्राथमिकता देने वाले सामाजिक मानदंडों में यह कथन शामिल है कि बेटी की परवरिश पड़ोसी के बगीचे में पानी देने जैसा है। दृष्टिकोण बदलने के लिए सिर्फ़ वित्तीय प्रोत्साहन से ज़्यादा की ज़रूरत है। कम महिला श्रम शक्ति भागीदारी अभी भी दुनिया में सबसे कम है, यहाँ तक कि बेहतर शैक्षिक मानकों के साथ भी। आर्थिक असुरक्षा का अनुभव करने वाली महिलाएँ पितृसत्तात्मक व्यवस्थाओं का विरोध करने में कम सक्षम हैं। ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2024 के अनुसार, भारत वेतन समानता के मामले में वैश्विक स्तर पर 127वें स्थान पर है, जहाँ पुरुषों द्वारा अर्जित प्रत्येक 100 रुपये के लिए महिलाएँ केवल 39.8 रुपये कमाती हैं। सशर्त नकद प्रोत्साहन (जैसे, सशर्त नकद हस्तांतरण) प्रणालीगत परिवर्तन के बजाय नीति का केंद्र बिंदु हैं। लाडली योजना द्वारा लैंगिक पूर्वाग्रह के अंतर्निहित कारणों को दूर नहीं किया गया है। रोजगार, संपत्ति के अधिकार और वित्तीय स्वायत्तता के क्षेत्रों में संरचनात्मक परिवर्तन प्राप्त करने के लिए, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ को कैचफ्रेज़ से आगे बढ़ना चाहिए।

लिंग-संवेदनशील नीतियों को मजबूत किया जा रहा है। लड़कियों को बचाने के बजाय, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ को नेतृत्व, वित्तीय समावेशन और रोजगार में महिलाओं को सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। प्रोत्साहन देकर अधिक महिलाओं को उद्यमिता और करियर को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करें। रोजगार अंतराल और वेतन असमानताओं को संबोधित करें लैंगिक वेतन अंतर को कम करने के लिए समान वेतन कानून लागू करें। मातृत्व लाभ, लचीले कार्य कार्यक्रम और चाइल्डकैअर सहायता प्रदान करके अधिक लोगों को काम करने के लिए प्रोत्साहित करें। पीसीपीएनडीटी अधिनियम के प्रवर्तन को बढ़ाना, डायग्नोस्टिक क्लीनिकों की निगरानी करना और अवैध लिंग निर्धारण के खिलाफ सख्त कदम उठाना कानूनी और सामाजिक सुधारों को मजबूत करने के सभी तरीके हैं। सरकार के स्थानीय स्तर पर जवाबदेही प्रणाली को मजबूत करें। संपत्ति और विरासत पर महिलाओं के अधिकार सुनिश्चित करें।

उत्तराधिकार अधिकारों को न्यायसंगत बनाए रखें, खास तौर पर उन क्षेत्रों में जहाँ बेटियों को अभी भी समान संपत्ति का स्वामित्व नहीं दिया जाता है। महिलाओं को परिवारों में एक साथ संपत्ति रखने के लिए प्रोत्साहित करें। समुदाय द्वारा संचालित व्यवहार और जुड़ाव में बदलाव लाएं। स्थानीय नेताओं के माध्यम से जमीनी स्तर पर भागीदारी बढे। शिक्षकों, धार्मिक नेताओं और समुदाय के प्रभावशाली सदस्यों को पितृसत्तात्मक परंपराओं का विरोध करने के लिए प्रोत्साहित करें। लैंगिक समानता के बारे में बातचीत में अधिक पुरुषों को शामिल करें। बेटियों के मूल्य की कहानी को बदलने वाले अभियानों को अपना ध्यान बालिकाओं की सुरक्षा से बदलकर बालिकाओं को सशक्त बनाने पर केंद्रित करने की आवश्यकता है। परिवार की सफलता के लिए बेटियों को संपत्ति के रूप में उत्थानकारी संदेशों को प्रोत्साहित करें। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम ने बेटे को प्राथमिकता देने के मुद्दे पर सफलतापूर्वक जागरूकता बढ़ाई है, लेकिन अपर्याप्त कार्यान्वयन और निगरानी के कारण, यह अपने वर्तमान स्वरूप में अपने मुख्य लक्ष्य को प्राप्त करने में विफल रहा है।

जिला और राज्य स्तर की बैठकों की कमी के कारण योजना पिछले कुछ वर्षों में बनी गति खो रही है। इसलिए जिला और राज्य स्तर पर कार्य समितियों का प्रतिनिधित्व समुदाय स्तर के कार्यकर्ताओं द्वारा किया जाना चाहिए, महिला छात्राओं द्वारा सामना की जाने वाली कठिनाइयों, जैसे शौचालयों की कमी, के बारे में जागरूक होना चाहिए और प्रभावी निगरानी और मूल्यांकन प्रणाली होनी चाहिए, जो यह दिखाए कि योजनाएँ अपने लक्ष्यों की दिशा में कितनी अच्छी तरह काम कर रही हैं। भारत में, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ लिंग आधारित भेदभाव को दूर करने के लिए एक उल्लेखनीय नीतिगत हस्तक्षेप रहा है। हालाँकि इसने कुछ क्षेत्रों में एसआरबी के सुधार में योगदान दिया है, लेकिन महिलाओं की आर्थिक उन्नति में निहित पितृसत्तात्मक मान्यताओं और संरचनात्मक बाधाओं के कारण इसका प्रभाव अभी भी सीमित है।

-प्रियंका सौरभ

राशिफल

माघ शुक्ल पक्ष चतुर्दशी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
घरेलू संपन्नता की तरफ बढ़ेंगे। भूमि, भवन और वाहन की खरीदारी संभव है। स्वास्थ्य अभी भी थोड़ा मध्यम है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम, संतान अच्छा है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। रुपए पैसों का आवक बढ़ेगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
समाज में सराहे जाएंगे। आकर्षण के केंद्र बनेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम संतान थोड़ा मध्यम रहेगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
खर्च की अधिकतम मन को परेशान करेगी। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम दिख रहा है। प्रेम, संतान अच्छा हो गया है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। रुपए पैसों का आवक बढ़ेगा। रुका हुआ धन वापस मिलेगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
कोर्ट कचहरी में विजय मिलेगी। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम, संतान अच्छा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
भाग्य साथ देगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम संतान अच्छा, व्यापार अच्छा है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य पे ध्यान दें। प्रेम संतान मध्यम।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। नौकरी-चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
शत्रुओं पर भारी पड़ेंगे। डिस्टरबेंस के साथ कार्य प्रगति पर रहेगा। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान अच्छा।

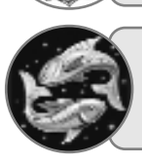

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
लिखने-पढ़ने में समय व्यतीत करें। विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय रहेगा। स्वास्थ्य थोड़ा पहले से सुधार की तरफ।

महाकुम्भ के समापन से 15 दिन पहले ही बनाया ऐतिहासिक रिकॉर्ड

महाकुम्भ नगर। मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य मां सरस्वती के पवित्र संगम में श्रद्धा और आस्था से ओत-प्रोत साधु-संतों, श्रद्धालुओं, कल्पवासियों, स्नानार्थियों और गृहस्थों का स्नान अब उस शिखर पर पहुंच गया है, जिसकी महाकुम्भ से पहले ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उम्मीद जताई थी। सीएम योगी ने पहले ही अनुमान जताया था कि इस बार जो भव्य और दिव्य महाकुम्भ का आयोजन हो रहा है वह स्नानार्थियों की संख्या का नया रिकॉर्ड स्थापित करेगा। उन्होंने शुरुआत में ही 45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना जताई थी। उनका यह आंकलन महाकुम्भ के समापन से 15 दिन पहले ही सच साबित हो गया। मंगलवार की सुबह 8 बजे ही महाकुम्भ में 45 करोड़ स्नानार्थियों की संख्या पार हो गई। मंगलवार को सुबह 8 बजे तक करीब 50 लाख श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगाई, जिसके साथ ही महाकुम्भ में स्नानार्थियों की संख्या 45 करोड़ पार हो गई। अभी महाकुम्भ को 15 दिन और दो महत्वपूर्ण स्नान पर्व शेष हैं और पूरी उम्मीद है कि स्नानार्थियों की संख्या 50-55 करोड़ के ऊपर जा सकती है।

प्रयागराज में तीनों अमृत स्नान (मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या और बसंत पंचमी) के बाद भी श्रद्धालुओं/स्नानार्थियों के जोश और उत्साह में कोई कमी नहीं दिख रही है। पूरे देश और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से पवित्र त्रिवेणी में श्रद्धा और आस्था के साथ डुबकी लगाकर पुण्य प्राप्त करने के लिए श्रद्धालु प्रतिदिन लाखों, करोड़ों की संख्या में प्रयागराज पहुंच रहे हैं। बसंत पंचमी के अंतिम अमृत स्नान पर्व के बाद भी श्रद्धा का जबरदस्त उत्साह लोगों को संगम तट तक खींच कर ला रहा है। मंगलवार, 11 फरवरी को सुबह आठ बजे तक 49.68 लाख लोगों ने त्रिवेणी में स्नान किया। इसके बाद कुल स्नानार्थियों की संख्या 45 करोड़ के ऊपर पहुंच गई है। स्नानार्थियों में 10 लाख कल्पवासियों के साथ-साथ देश-विदेश से आए श्रद्धालु एवं साधु-संत शामिल रहे।

यदि अब तक के कुल स्नानार्थियों की संख्या का विश्लेषण करें तो सर्वाधिक 8 करोड़ श्रद्धालुओं ने मौनी अमावस्या पर स्नान किया था, जबकि 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने मकर संक्रांति के अवसर पर अमृत स्नान किया था। एक फरवरी और 30 जनवरी को 2-2 करोड़ के पार और पौष पूर्णिमा पर 1.7 करोड़ श्रद्धालुओं ने पुण्य डुबकी लगाई, इसके अलावा बसंत पंचमी पर 2.57 करोड़ श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाई थी। माघ पूर्णिमा से पहले भी प्रतिदिन एक करोड़ से अधिक श्रद्धालु संगम तट पर पवित्र स्नान के लिए पहुंच रहे हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगाई थी, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ (मंत्रिमंडल समेत) भी संगम में डुबकी लगा चुके हैं। इसके अलावा प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल, हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी, मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, अर्जुन राम मेघवाल, श्रीपद नाइक, बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी, राज्य सभा सांसद सुधा मूर्ति, असम विधानसभा अध्यक्ष बिस्वजीत दैमारी, सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, प्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता माता प्रसाद पांडे, गोरखपुर के सांसद रवि किशन, हेमा मालिनी, पूर्व सांसद दिनेश लाल यादव 'निरहुआ', बॉलीवुड एक्ट्रेस भाग्यश्री, अनुपम खेर, मिलिंद सोमण, ओलम्पिक मेडलिस्ट साइना नेहवाल, एक्ट्रेस से किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बनीं ममता कुलकर्णी, प्रख्यात कवि कुमार विश्वास, क्रिकेटर सुरेश रैना, अन्तरराष्ट्रीय रेसलर खली, कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा, बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा गुप्ता के अलावा भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद भी संगम में स्नान कर चुके हैं।

कुंभ मेला क्षेत्र की यातायात व्यवस्था का निरीक्षण

प्रयागराज। महाकुंभ के माघी पूर्णिमा स्नान पर्व के मद्देनजर आज प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने कुंभ मेला क्षेत्र में यातायात व्यवस्था का निरीक्षण किया।

पुलिस आयुक्त प्रयागराज तरुण गाबा एवं मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत ने अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अजय पाल शर्मा, पुलिस उपायुक्त यमुनानगर विवेक चन्द्र यादव एवं अन्य अधिकारियों के साथ कुंभ मेला क्षेत्र के प्रमुख मार्गों और चौराहों का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने श्रद्धालुओं की भीड़, सुरक्षा व्यवस्था और यातायात नियंत्रण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रशासन का उद्देश्य है कि माघी पूर्णिमा स्नान पर्व पर श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और यातायात सुचारू रूप से संचालित हो।

निराश्रित वृद्धजनों के लिए समाज कल्याण विभाग की पहल, महाकुंभ में कराया पावन स्नान

महाकुंभ नगर (एजेंसी)। प्रदेश सरकार द्वारा निराश्रित वरिष्ठजनों के कल्याण हेतु विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण के निर्देश पर मंगलवार को देवरिया, बहराइच, अमरोहा और बिजनौर के वृद्धाश्रमों में निवास करने वाले 95 वरिष्ठजनों को महाकुंभ में पवित्र संगम स्नान का अवसर प्रदान किया गया। समाज कल्याण विभाग ने इन वरिष्ठजनों के लिए आवागमन, भोजन, आवास और चिकित्सा सुविधाओं की नि:शुल्क व्यवस्था की है।

इन वरिष्ठजनों को उनके संबंधित जनपदों से विभागीय अधिकारियों की देखरेख में विशेष बसों से महाकुंभ नगर लाया गया। कुंभ क्षेत्र में समाज कल्याण विभाग द्वारा स्थापित अस्थायी आश्रम में उन्हें ठहराया गया, जहाँ सभी आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराई गईं। मंगलवार को स्नान के बाद वरिष्ठजनों ने आध्यात्मिक वातावरण में ध्यान और भजन-कीर्तन का आनंद लिया।

महाकुंभ 2025 के दौरान पहली बार समाज कल्याण विभाग ने कुंभ क्षेत्र में अस्थायी आश्रम की स्थापना की है, जिसकी क्षमता 100 बेड की है। इस आश्रम में ठहरने वाले वरिष्ठजनों को तीनों समय नि:शुल्क भोजन दिया जा रहा है। साथ ही, उनके स्वास्थ्य की देखभाल के लिए डॉक्टरों की टीम भी तैनात की गई है। आश्रम में वरिष्ठजनों की दिनचर्या स्वस्थ और आध्यात्मिक बनाए रखने के लिए विशेष ध्यान दिया गया है। हर दिन सुबह योग और ध्यान सत्र आयोजित किए जाते हैं, जिससे वे मानसिक और शारीरिक रूप से सशक्त महसूस कर सकें। सायं समय भजन-कीर्तन और प्रवचन का आयोजन किया जाता है।

झूसी के उमेश राय कई दिनों से लापता, परिजनों ने प्रशासन से लगाई गुहार

प्रयागराज। झूसी के सरस विहार कॉलोनी, अनवर मार्केट के निवासी उमेश राय कई दिनों से लापता हैं। परिजनों ने उनकी काफी तलाश की, लेकिन अभी तक उनका कोई पता नहीं चल सका है। परिवार बेहद चिंतित है और अब प्रशासन से मदद की गुहार लगा रहा है। परिजनों के अनुसार, उमेश राय की उम्र लगभग 50 वर्ष है और उन्हें अंतिम बार प्रयागराज के सिविल लाइन क्षेत्र में देखा गया था।

इसके बाद से उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

तेज रफ्तार वाहनों पर कार्रवाई, 7,484 चालान काटे

नोएडा (चेतना मंच)।

नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ यातायात पुलिस ने पिछले दो दिनों में अभियान के तहत कार्रवाई की। सोमवार को पुलिस ने 7484 वाहनों के चालान काटे। ट्रैफिक पुलिस के मुताबिक कार्रवाई जारी रहेगी।

यातायात पुलिस ने एलिवेटेड रोड, नोएडा-ग्रेनो, महामाया फ्लाईओवर, फरीदाबाद फ्लाईओवर समेत शहरभर के व्यस्त चौराहों पर कार्रवाई की। रविवार को 24 घंटे में पुलिस ने 7 हजार से अधिक चालान किए गए। इसी तरह सोमवार को यातायात पुलिस ने नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेस वे, सेक्टर-125, सेक्टर 93, सेक्टर-62 गोल चक्कर समेत अन्य इलाकों में अभियान चलाया। जहां अवैध रूप से वाहन चलाने, बिना आईएसआई हेलमेट वाले दो पहिया वाहन व बिना सीट बेल्ट वाले चार पहिया वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की। सोमवार को कुल 7484 चालान किए गए।

इनमें से मैनुअली 3669 और आईएसटीएमएस कैमरों से 3815 वाहनों के चालान किए गए। डीसीपी ट्रैफिक राम लखन यादव ने बताया कि कई टीमों को शहर के अलग-अलग हिस्सों में तैनात किए गए हैं।

महिला आयोग की सदस्य 13 को करेंगी समीक्षा बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य हिमानी अग्रवाल 13 फरवरी को सुबह 12:00 से कलेक्ट्रेट सभागार में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं के हितार्थ संचालित की जा रही योजनाओं से संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक तथा महिलाओं की समस्याओं के निस्तारण हेतु जनसुनवाई करेंगी।

जिला प्रोबेशन अधिकारी मनोज कुमार पुस्कर ने बताया कि आगामी 13 फरवरी को आयोजित होने वाली जनसुनवाई में महिलाओं से संबंधित समस्याओं के निवारण के लिए अवश्य प्रतिभाग करें।

दिल्ली के पूर्व पुलिस कमिश्नर का निधन

नोएडा। दिल्ली पुलिस के पूर्व पुलिस कमिश्नर अजय राज शर्मा का मंगलवार को नोएडा की कैलाश अस्पताल में निधन हो गया वह 80 वर्ष के थे और लंबे समय से बीमार चल रहे थे। वह दिल्ली पुलिस के लोकप्रिय पुलिस कमिश्नरों में से थे और उन्हें तत्कालीन केंद्रीय गृहमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी यूपी से दिल्ली लेकर आए थे। वे नोएडा के सेक्टर 44 में सपरिवार रहते थे।

अजय राज शर्मा 1966 बैच के आईपीएस अधिकारी थे। जमींदार परिवार में जन्मे अजय राज शर्मा को बचपन से ही पुलिस में जाने का शौक था। जब आईपीएस बनकर पुलिस विभाग में पहुंचे, तो कई नए कीर्तिमान रच डाले। जब यूपी के तत्कालीन सीएम कल्याण सिंह को मारने की सुपारी मिली, तो एसटीएफ बनाई गई, जिसकी कमान तत्कालीन डीजी रैंक के अधिकारी अजय राज शर्मा को सौंपी गई। उनकी अगुवाई में एसटीएफ ने श्रीप्रकाश शुक्ला जैसे अपराधी को भी ठिकाने लगा दिया।

पृष्ठ एक के शेष....

माघ पूर्णिमा से...

श्रद्धालुओं के आवागमन को सुगम बनाने के लिए प्रशासन ने 11 फरवरी की शाम 5:00 बजे से पूरे प्रयागराज शहर को भी 'नो व्हीकल जोन' घोषित किया है। केवल आपातकालीन सेवाओं को इस प्रतिबंध से छूट दी जाएगी।

महाकुम्भ मार्ग पर...

कहा कि प्रयागराज की सीमा पर बने पार्किंग स्थलों को प्रभावी रूप से संचालित करते रहें। 05 लाख से अधिक क्षमता की वाहन पार्किंग व्यवस्था है, इसका उपयोग करें। बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों का सहयोग करें, किंतु नियमविरुद्ध एक भी वाहन मेला परिक्षेत्र में प्रवेश न होने दें। आवश्यकतानुसार शटल बसों की उपयोग करें। इनकी संख्या ब ?ाई जाए। लोगों को पार्किंग व्यवस्था के अनुपालन के लिए प्रेरित करें। श्रद्धालुओं के साथ सहयोगपूर्ण व्यवहार होना चाहिये। सड़कों पर वाहन की कतार न लगे। कहीं भी ट्रैफिक जाम की स्थिति नहीं बननी चाहिए। कहीं भी सड़क पर वाहन खड़ा नहीं होने दें। वाहनों का मूवमेंट लगातार बना रहना चाहिए।

प्रयागराज से सीमा साझा करने वाले सभी जिलाधिकारी लगातार प्रयागराज प्रशासन से संपर्क-समन्वय बनाये रखें। वाहनों का मूवमेंट परस्पर समन्वय के साथ किया जाना सुनिश्चित करें। मेला क्षेत्र में भीड़ का दबाव न बने, आवश्यकता के अनुसार बैरीकेडिंग लगाई जाए। टोल के नाम पर जाम न लगने पाए।

यूपी के सीएम ने कहा कि प्रयागराज के सभी रेलवे स्टेशनों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति है। यह वो श्रद्धालु हैं जो अब स्नान करके अपने घर लौट रहे हैं। एक-एक श्रद्धालु को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचाना, हमारी जिम्मेदारी है। इसके लिए रेलवे से संपर्क-समन्वय बनाकर ट्रेनों का लगातार संचालन सुनिश्चित कराया जाए। परिवहन निगम की अतिरिक्त बसें भी लगाई जाएं।

स्वच्छता प्रयागराज महाकुम्भ की पहचान है। इसे लगातार सुनिश्चित किया जाए। संगम स्नान के साथ ही श्रद्धालुगण गंगा जी को पुष्प-माला आदि अर्पित करते हैं। स्वच्छता के दृष्टिगत मशीनें उपलब्ध कराई गई हैं, लगातार सफाई की जाए। गंगा जी और यमुना जी में पर्याप्त जल की उपलब्धता बनी रहे। सभी श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के दृष्टिगत आज एडीएम और एसडीएम स्तर के 28 प्रशासनिक अधिकारियों सहित अनेक पुलिस अधिकारियों की तैनाती की गई है। इन सभी की यथा आवश्यकता सेवा ली जाए। पुलिस अधिकारियों को ट्रैफिक मैनेजमेंट में लगाया जाना चाहिए।

महाकुम्भ मेला क्षेत्र में आवागमन लगातार चलता रहे। अनावश्यक लोगों को न रोकें। कहीं भी भीड़ का दबाव न बनने पाए। मार्गों पर जाम नहीं होना चाहिए। यदि कहीं स्ट्रीट वेंडर आदि मार्गों पर हों, तो उन्हें खाली एरिया में व्यवस्थापित करें। आवागमन लगातार जारी रहना चाहिए।

प्रयागराज से संबद्ध सभी मार्गों पर पुलिस पेट्रोलिंग जारी रखें। क्रेन, एम्बुलेंस की उपलब्धता रहे। रीवा मार्ग, अयोध्या-प्रयागराज, कानपुर-प्रयागराज, फतेहपुर-प्रयागराज, लखनऊ-प्रतापगढ़-प्रयागराज, वाराणसी-प्रयागराज जैसे सभी मार्गों पर कहीं भी यातायात अवरुद्ध नहीं होना चाहिए। प्रयागराज से वापसी के सभी मार्गों को लगातार खुला रखा जाना चाहिए।

प्रयागराज महाकुम्भ में पूरी दुनिया से लोगों का आगमन हो रहा है। अब तक 44 करोड़ 75 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम स्नान का पुण्य लाभ प्राप्त किया है। यह दुनिया के इतिहास का सबसे बड़ा मानव समागम है। इस अभूतपूर्व स्थिति के बीच प्रयागराज वासियों ने जिस प्रकार संयम दिखाया है और व्यवस्था बनाये रखने में सहयोग कर रहे हैं, वह अभिनन्दन के योग्य है। मेले की व्यवस्था के साथ-साथ प्रयागराज के दैनंदिनी जीवनचर्या को सुचारू बनाये रखना भी सुनिश्चित किया जाए। आवश्यक वस्तुओं की कमी न हो। स्थानीय लोगों की सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए।

12 फरवरी को संत रविदास जयंती का पावन अवसर है। वाराणसी के सीर गोवर्धनपुर सहित प्रदेश में अनेक जनपदों में विविध आयोजन होंगे। वाराणसी कमिश्नरेट सहित सभी संबंधित जनपद इसके दृष्टिगत सतर्क और सावधान रहे। सभी आयोजन सौहार्दपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ सुनिश्चित कराएं।

बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुम्भ आने वाले लाखों श्रद्धालु वाराणसी और अयोध्या में भी दर्शन-पूजन के लिए पहुंच रहे हैं। चित्रकूट और मीरजापुर में भी बड़ी संख्या में लोगों का आगमन हो रहा है। अगले दो दिनों में और अधिक लोगों के आगमन की संभावना है। इसके दृष्टिगत तीनों प्रमुख ही नगरों में विशेष सतर्कता की आवश्यकता है। सतत सतर्कता-सावधानी बनाये रखें। होल्डिंग एरिया बनाकर लोगों को रोकें और परिस्थितियों के अनुसार आगे बढ़ने दें। बैरिकेडिंग का उपयोग करें। ट्रैफिक का बेहतर प्रबंधन हो। पार्किंग की उचित व्यवस्था हो। लगातार मॉनीटरिंग करते रहें।

भ्रामक सूचना/गलत जानकारी को प्रसारित करने वाले अराजक तत्वों को चिन्हित करें और उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करते हुए, आम जन को तत्काल सही सूचना उपलब्ध कराया जाये।

बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रयागराज और उसके आसपास के जिलों में ट्रैफिक जाम की समस्याओं के बीच यूपी के तमाम आला अधिकारियों की जमकर क्लास लगाई. मुख्यमंत्री योगी के निशाने पर खासकर प्रयागराज जोन के एडीजी भानु भास्कर और एडीजी ट्रैफिक सत्यनारायण थे।

मुख्यमंत्री ने इन दोनों अधिकारियों को हड़काते हुए कहा कि पूरे प्रयागराज की जिम्मेदारी आप लोगों पर थी लेकिन चाहे भगदड़ का दिन हो या फिर आम दिनों की भीषण ट्रैफिक अव्यवस्था, आप लोगों ने गैर जिम्मेदाराना काम किया है।

यही नहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिस तरीके से आला अधिकारी मेले के प्रमुख स्नान के दौरान मौके से नदारद रहे, उसे देखते हुए कई अधिकारियों पर सस्पेंशन की कार्रवाई बनती है।

किसान कोटे के प्लॉट...

के घर गया और रजिस्ट्री करने को कहा। इस पर वीरवती ने रजिस्ट्री करने से साफ इंकार कर दिया। उसने जब अपने पैसे वापस मांगे तो वीरवती व उसके बेटों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित का कहना है कि वीर सिंह के विरुद्ध कई आपराधिक मामले दर्ज हैं जो न्यायालय में विचाराधीन है।

पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने वीरवती व उसके बेटों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि यह मामला न्यायालय के निर्देश पर दर्ज किया गया है।

विधायक ने किया ...

इस मौके पर भाजपा के महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता, नोएडाप्राधिकरण के एसीईओ संजय खत्री, उप महाप्रबंधक सिविल विजय रावल, उद्यान विभाग के निदेशक, भाजपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष राकेश शर्मा, पूर्व महामंत्री सुशील शर्मा, वर्तमान महामंत्री चंदगीराम यादव, महामंत्री डिम्पल आनंद, भाजपा युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र चौहान, मंडल अध्यक्ष गौतम शर्मा समेत कई पदाधिकारी तथा प्राधिकरण के कई अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

फाइनेंसरों ने...

करने का आश्वासन दिया। पीड़ित का आरोप है कि सोनू व महेश ने सिक्योरिटी के रूप में उसकी कार व पोस्ट डेटेड चेक लेने के बाद भी उसके खाते में पैसे ट्रांसफर नहीं किए। आरोपी उसे लगातार ऑनलाइन पैसे ट्रांसफर करने तथा आरटीजीएस करने का आश्वासन देते रहे। उसने कई बार दोनों से फोन पर बात करने का प्रयास किया लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। इसके बाद वह अपने पिता के साथ सोनू सिंह के घर कचेडा गांव पहुंचा और पैसे ना देने पर सिक्योरिटी के रूप में दी गई अपनी कार व पोस्ट डेटेड चेक वापस मांगे। सोनू ने कार व चेक लौटाने से साफ इनकार कर दिया। इस पर उन्होंने पुलिस में शिकायत करने की बात कही तो सोनू ने उन्हें धमकी दी कि उसकी कार से एक दो मर्डर कर पिता पुत्र को फंसा दिया जाएगा। सोनू ने कहा कि अगर उसने पुलिस में शिकायत की तो उसके परिवार के सदस्यों को जान से मरवा दिया जाएगा। सोनू ने कहा कि एग्रीमेंट के मुताबिक वह उसके 65 लाख रुपए वापस कर दे नहीं तो अंजाम ठीक नहीं होगा। पीड़ित के मुताबिक आरोपी बिना पैसे दिए उस पर 65 लाख रुपए वापस करने का दवाब बना रहे हैं। पैसे ना देने पर उसे झूठे मुकदमे में फसाने तथा जान से मारने की धमकियां दी जा रही है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। यह मामला न्यायालय के निर्देश पर दर्ज किया गया है।

नोएडा से दो...

सेक्टर-12 में रहने वाले विनोद (काल्पनिक नाम) ने बताया कि 6 फरवरी को उसकी (14 वर्षीय) भांजी घर से बिना बताए चली गई। उसने अपने भांजी के काफी तलाश की लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। पुलिस का कहना है कि पीड़ितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है और किशोरियों की तलाश की जा रही है।

ऑटो चालक ने...

सीएनजी भरवानी है। उसने जब ऑटो रोकने को कहा तो चालक ने ऑटो नहीं रोका और सुनसान रास्ते पर ऑटो खड़ा कर उसका सामान छीनने का प्रयास किया।छीनाझपटी के दौरान उसके पैर में चोट लग गई और वह मदद के लिए शोर मचाते हुए वहां से भाग निकली। पुलिस का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। ऑटो नंबर के आधार पर चालक की तलाश की जा रही है।

उत्तराखंड में बड़ी चोरी...

एडीसीपी ने बताया कि पूछताछ में बदमाशों ने जानकारी दी कि उनका एक साथी लेबर चौक पर खड़ा हुआ है जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बदमाशों के साथी शोएब को आई-20 कार व मोबाइल के साथ गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए बदमाशों के पास से दो तमंचे कारतूस चोरी की बाइक व 4 मोबाइल फोन बरामद हुए हैं।

उन्होंने बताया कि पकड़े गए बदमाश शातिर चोर व स्नैचर हैं। पकड़े गए बदमाशों ने दिल्ली, नोएडा, उत्तराखंड में घरों में चोरी तथा चेन स्नेचिंग करने के लिए 4 फरवरी को सेक्टर-62 से बाइक चोरी की थी। चोरी की इस बाइक से उन्होंने 5 फरवरी को मयूर विहार फेस 3 रेहान पब्लिक स्कूल के पास एक महिला से चेन लूटी थी। इस चैन को उन्होंने गिरवी रखकर 90 हजार रुपए लिए और आपस में बांट लिए। पकड़े गए बदमाशों की व्हाट्सएप चैटिंग से जानकारी मिली कि यह उत्तराखंड में किसी घर में चोरी करने की योजना बना रहे थे। इस घर में एक वृद्ध महिला व छोटी बच्ची रहती है।

बदमाशों को जानकारी मिली थी कि इस घर में करीब 2 करोड रुपए से अधिक का माल है। एडीसीपी ने बताया कि पकड़े गए हरजीत पर 32, अरुण पर 15 तथा शोएब पर दो मुकदमे पंजीकृत हैं।

बाइक पर सवार...

बदमाश सद्दाम पुत्र मोहम्मद नजर निवासी संभल को भी दबोच लिया। इनके पास से दो तमंचे, कारतूस तथा थाना बिसरख क्षेत्र से चोरी की गई स्प्लेंडर बाइक बरामद हुई। पूछताछ में बदमाशों ने बताया कि उनके पास से बरामद बाइक उन्होंने बीते दिनों ब्लू सफायर मॉल के पास से चोरी की थी। पकड़े गए बदमाशों के आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है।

घर से मोबाइल चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-3 क्षेत्र के मामूरा गांव में रहने वाले एक व्यक्ति के घर से चोरों ने दो मोबाइल फोन चोरी कर लिए। मामूरा गांव में किराए पर रहने वाले अश्वनी कुमार प्रजापति ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 24 नवंबर की सुबह को किसी अज्ञात व्यक्ति ने खिड़की से हाथ डालकर उसके कमरे का दरवाजा खोला और कमरे में रखें दो मोबाइल फोन लेकर फरार हो गया। चोरी की जानकारी मिलने पर उसने पुलिस को सूचना दी। पीड़ित के मुताबिक मामूरा के पंछी साइबर कैफे बिल्डिंग में चोरी की घटनाएं आम हो गई है। आए दिन चोर यहां से मोबाइल व लैपटॉप चोरी करने की घटनाओ को अंजाम दे रहे हैं। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच पड़ताल कर रही है।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

ढाका में बंगबंधु के ध्वस्त किए आवास पर पहुंची सीआईडी क्राइम सीन यूनिट

ढाका । बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के पिता और मुल्क के संस्थापक बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान के ध्वस्त किए गए आवास (धानमंडी-32) का जायजा लेने आज सीआईडी क्राइम सीन यूनिट पहुंची। यूनिट की मदद के लिए धानमंडी पुलिस स्टेशन की टीम को तैनात किया गया। सीआईडी क्राइम सीन यूनिट धानमंडी-32 सुबह आठ बजे पहुंचीं। ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार, सीआईडी क्राइम सीन यूनिट ने ध्वस्त आवास से अहम साक्ष्य जुटाए। उल्लेखनीय है कि अनियंत्रित भीड़ ने पांच फरवरी को पूर्व प्रधानमंत्री हसीना के ऑनलाइन भाषण के बाद बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान के घर को ध्वस्त करते हुए आग लगा दी थी। यही नहीं भीड़ ने शेख हसीना के पति के आवास को भी फूंक दिया था। बांग्लादेश के संस्थापक राष्ट्रपति शेख मुजीब को बंगबंधु (राष्ट्रपिता) के नाम से जाना जाता है।

आगा खान सुपुर्द-ए-खाक

असवान । इस्माइलिस के 49वें वंशानुगत इमाम प्रिंस करीम अल-हुसैनी आगा खान (चतुर्थ) को रविवार को यहां नील नदी के तट पर समारोह पूर्वक सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। इस अवसर पर 50वें वंशानुगत इमाम प्रिंस रहीम अल-हुसैनी आगा खान और उनका परिवार मौजूद रहा। समारोह में असवान के गवर्नर भी मौजूद रहे। पाकिस्तान के समाचार पत्र द न्यूज इंटरनेशनल की खबर के अनुसार, आगा खान (चतुर्थ) के ताबूत को नाव के माध्यम से मौलाना सुल्तान महोमेद शाह के मकबरे तक ले जाया गया। असवान के गवर्नर ने सम्मान के प्रतीक के रूप में प्रिंस रहीम को असवान शहर की एक प्रतीकात्मक चाबी भेंट की। समुदाय के बयान में कहा गया है कि आगा खान (चतुर्थ) का नया मकबरा उनके अंतिम विश्राम स्थल पर मौजूदा ढांचे के निकट बनाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि आगा खान (चतुर्थ) ने पिछले मंगलवार को 88 वर्ष की आयु में पुर्तगाल के लिस्बन शहर में अंतिम सांस ली थी। आगा खान डेवलपमेंट नेटवर्क के अनुसार, दिवंगत आध्यात्मिक नेता अपने पीछे तीन बेटे, रहीम आगा खान, अली मुहम्मद आगा खान और हुसैन आगा खान और एक बेटी जहरा आगा खान छोड़ गए।

अमेरिका अब स्टील और एल्युमीनियम के आयात पर लगाएगा 25 प्रतिशत टैरिफ

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब स्टील और एल्युमीनियम के आयात पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगा सकते हैं। उनका मानना है कि यह देश की व्यापार प्रणाली में संरचनात्मक परिवर्तन का हिस्सा है। ट्रंप ने कहा कि चुनाव अभियान के दौरान किया गया वादा करने के समय आ गया है। द वाल स्ट्रीट जनरल समाचार पत्र की खबर के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति मंगलवार या बुधवार को यह घोषणा कर सकते हैं। ट्रंप ने कहा कि इसके पीछे उनका मकसद अमेरिकी उद्योगों की रक्षा करना और ट्रेड बैलेंस में सुधार करना है। ट्रंप ने यह संकेत रविवार को न्यू ऑरलियंस में एयर फोर्स वन में संवाददाता सम्मेलन में दिए।

सत्तारूढ़ गठबंधन ने सोशल मीडिया के प्रस्तावित विधेयक का किया विरोध

एजेंसी

काठमांडू । नेपाल के केपी ओली की सरकार के सोशल मीडिया को नियंत्रण और नियमन करने के लिए संसद में पेश किए गए विधेयक का कई सत्तारूढ़ दल के नेताओं ने विरोध किया है। ओली सरकार को समर्थन कर रहे सबसे बड़े राजनीतिक दल नेपाली कांग्रेस की तरफ से ही इस प्रस्तावित विधेयक का खुलकर विरोध होने लगा है। पार्टी के महामंत्री गगन थापा ने स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया को नियमन करने के नाम पर जिस तरह का विधेयक संसद में पेश किया गया है, वह उसी रूप में पारित नहीं हो सकता है। काठमांडू में पत्रकार सम्मेलन में कांग्रेस महामंत्री थापा ने कहा कि इस विधेयक में कई सुधार करने की आवश्यकता है। यदि सरकार

इस विधेयक के कुछ आपत्तिजनक प्रावधानों को बदलने के लिए तैयार होती है तो ही इसका समर्थन किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के नियमन के नाम पर लोगों के लिखने-बोलने की स्वतंत्रता को नियंत्रित करना लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। सिर्फ सरकार को समर्थन कर रही पार्टी ही इसका विरोध नहीं कर रही है बल्कि इसके विरोध में स्वयं ओली की पार्टी के सांसद ने भी मोर्चा खोल दिया है। पार्टी में ओली के आलोचक रहे सांसद रघुजी पंत ने भी इस विधेयक का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि आम जनता के मौलिक अधिकार के साथ खिलवाड़ नहीं किया जा सकता है। उन्होंने इस विधेयक को लाने वाले अपने ही पार्टी के मंत्री की आलोचना करते हुए कहा कि सोशल मीडिया को भी नियमों के दायरे में लाया जाना ठीक है लेकिन इसकी आड़ में एक भी जनता की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचलने के किसी भी प्रयास का वो व्यक्तिगत रूप से विरोध करेंगे। पंत ने कहा कि इस विधेयक में सुधार की काफी गुंजाइश है और सरकार को इसका पुनरावलोकन करना ही होगा। सरकार को समर्थन करने वाली छोटी पार्टियां भी इस विधेयक के खिलाफ में कई संशोधन प्रस्ताव पेश कर चुकी है। जनमत पार्टी के सांसद अब्दुल खान ने कहा कि सरकार के खिलाफ लिखने और बोलने वालों को जो सजा का प्रावधान रखा गया है, उसको बदलने के लिए संशोधन प्रस्ताव पेश किया गया है। सरकार ने पिछल दिनों सभी प्रकार के सोशल मीडिया पर लिखने, बोलने, कंटेंट बनाने, कमेंट करने से लेकर लाइक और शेयर करने वालों तक को कानूनी दायरा में लाते हुए झूठ, अफवाह, गलत समाचार, गलत कंटेंट, सरकार की आलोचना करना और ट्रोल करने वालों के खिलाफ तीन से पांच साल तक की सजा और अधिकतम पांच लाख रुपये तक के जुमार्ना लगाने का कानून बनाने के लिए यह विधेयक संसद में पेश किया है।

ट्रंप का सपना, गाजा का युद्धग्रस्त क्षेत्र बने दुनिया का बड़ा रियल एस्टेट केंद्र

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का सपना है कि गाजा पट्टी का युद्धग्रस्त क्षेत्र दुनिया का बड़ा रियल एस्टेट केंद्र बने। ट्रंप ने रविवार को गाजा के पुनर्विकास के लिए अपनी योजनाओं को दोगुना करते हुए यह संकेत दिए। न्यू ऑरलियंस में सुपर बाउल की यात्रा के दौरान ट्रंप ने एयर फोर्स वन में संवाददाताओं से कहा- 'हम जल्द ही मध्य पूर्व में स्थिरता लाने जा रहे हैं।' सीएनएन की खबर में ट्रंप की इस योजना की जानकारी दी गई है। ट्रंप ने कहा-" मुझे लगता है कि फिलिस्तीनियों या गाजा में रहने वाले लोगों को एक बार और वापस जाने की अनुमति देना बड़ी गलती है।

बेंगलुरु में एशिया के सबसे बड़े एयरो इंडिया शो का शुभारंभ

पीएम के नेतृत्व में रक्षा क्षेत्र में दुनिया में मजबूत हुआ भारत : संजय सेठ

- सवा लाख करोड़ के रिकॉर्ड पर पहुंचा घरेलू रक्षा उत्पाद
- 90 देश के साथ 900 से ज्यादा प्रदर्शक हो रहे शामिल

एजेंसी

रांची । आज बेंगलुरु में एरो इंडिया शो का भव्य उद्घाटन रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने किया। एशिया के सबसे बड़े इस एयर शो में दुनिया भर के 90 देश शामिल हो रहे हैं। इसके साथ ही रक्षा क्षेत्र से जुड़े दुनिया के 900 से ज्यादा प्रदर्शक इसमें अपनी भागीदारी निभाएंगे। इस शो में भारतीय सेना के द्वारा भी कई

प्रदर्शनी की जाएगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, सीडीएस अनिल चौहान, वायु सेना प्रमुख श्री अमरप्रीत सिंह, नौसेना प्रमुख दिनेश कुमार त्रिपाठी, सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी सहित कई देशों के प्रतिनिधि, रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और सैन्य क्षेत्र से जुड़ी गणमान्य हस्तियां मौजूद रही। इस आयोजन को लेकर रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने कहा कि यह मेरे लिए भी गौरव की बात है कि रक्षा क्षेत्र से जुड़े इतने बड़े आयोजन में शामिल हो रहा हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में भारत ने रक्षा क्षेत्र को आगे बढ़ाने और मजबूती प्रदान करने का जो संकल्प किया है, उसका सकारात्मक और शानदार परिणाम अब दुनिया भर में दिख रहा है। संजय सेठ ने कहा कि रक्षा मंत्रालय के द्वारा वर्ष 2025 को इयर्स ऑफ रिफॉर्म घोषित किया गया है। यह सिर्फ घोषणा नहीं है, बल्कि यह रिफॉर्म के प्रति रक्षा मंत्रालय की प्रतिज्ञा और कर्मशीलता को भी दिखाता है। इसके लिए सिर्फ मंत्रालय के स्तर पर ही निर्णय नहीं लिए जा रहे हैं, बल्कि इसमें सैन्यबलों और रक्षा क्षेत्र के विशेषज्ञों सहित अन्य समूहों की समुचित भागीदारी है। इसे तेजी से आगे बढ़ाने के लिए रक्षा क्षेत्र से जुड़े सभी हितधारकों की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

ब्रिटेन के डेलिगेट के साथ केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री की बैठक

बेंगलुरु । बेंगलुरु में आयोजित एरो इंडिया कार्यक्रम में देश के केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ कि आज ब्रिटेन के डेलिगेट्स के साथ बैठक हुई । इस बैठक में ब्रिटेन के हाउस ऑफ लॉर्ड्स के माननीय मंत्री लॉर्ड वर्नोन कोकर उपस्थित थे भारत और यूके के बीच मजबूत होते रक्षा सहयोग पर विस्तृत चर्चा हुई ।

पाकिस्तानी प्रवासियों से भरी नाव लीबिया में डूबी 65 की मौत

एजेंसी

त्रिपोली : लीबिया के तट पर प्रवासियों से भरी एक नाव डूब जाने से बड़ा हादसा हुआ है। समुद्र में पलटी इस नाव में कम से कम 65 लोग सवार थे। इनमें से ज्यादातर पाकिस्तान के नागरिक थे। सोमवार को पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इस हादसे की पुष्टि की है। यह हादसा लीबिया के जाविया शहर के उत्तर पश्चिम में स्थित मार्सा डेला बंदरगाह के पास हुआ है। हादसे के बाद पाकिस्तान दूतावास ने अपनी टीम जाविया के अस्पताल में भेज दी है। यह टीम स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रही है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि उनका दूतावास हादसे में प्रभावित अपने नागरिकों के बारे में जानकारी जुटा रहा है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के बयान में कहा गया है, 'लीबिया की राजधानी त्रिपोली में हमारे दूतावास ने हमें सूचित किया है कि लीबिया के जाविया शहर के मास-र डेला बंदरगाह के पास 65 यात्रियों को ले जा रही नाव पलटी है। त्रिपोली में पाक दूतावास ने मृतकों की पहचान के लिए टीम गठित की है। पीड़ितों को सभी मुमकिन मदद दी जा रही है।'

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए युद्धस्तर पर काम कर रहा है भारतीय रेलवे

एजेंसी

प्रयागराज । प्रयागराज क्षेत्र के सभी आठ स्टेशन, जिनमें प्रयागराज जंक्शन भी शामिल है, पूरी तरह से कार्यशील हैं; रेलवे रविवार को 330 ट्रेनों का संचालन करता है और आज दोपहर 3 बजे तक 201 ट्रेनों का संचालन किया है ताकि श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती भीड़ को समायोजित किया जा सके। रेल मंत्रालय के केंद्रीय मंत्री और रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष ने महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं के लिए रेलवे की तैयारियों और भीड़-भाड़ की स्थिति की समीक्षा की और आगामी माघी पूर्णिमा के अमृत स्नान (12 फरवरी, 2025) से पहले रेलवे की

तैयारियों को लेकर चर्चा की। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया को सूचित किया कि प्रयागराज क्षेत्र के आठ विभिन्न स्टेशनों से लगभग 330 ट्रेनें 12 लाख 50 हजार श्रद्धालुओं को उनके घरों तक पहुंचाने के लिए चलायी जा चुकी हैंआगामी माघी पूर्णिमा के अमृत स्नान के लिए रेलवे की तैयारियों पर चर्चा की।

पाकिस्तान में सुरक्षाबलों ने सात आतंकवादियों को मार गिराया

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में रविवार को अलग-अलग मुठभेड़ों में सात आतंकवादी मारे गए और एक सैनिक शहीद हो गया। सेना की मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, सुरक्षा बलों ने 8 और 9 फरवरी की रात को इलाके में हथियारबंद लोगों की मौजूदगी की सूचना पर डेरा इस्माइल खान जिले के मद्दी इलाके में खुफिया ऑपरेशन शुरू किया। डान समाचार पत्र के अनुसार, इस्माइल खान जिले के खुफिया ऑपरेशन में तीन आतंकवादी मारे गए और दो अन्य घायल हो गए। तीनों आतंकवादी तात्कालिक विस्फोटक उपकरण (आईईडी) और बम बनाने में विशेषज्ञ थे।

स्टील, एल्युमीनियम इंपोर्ट पर 25 % टैरिफ लगाएंगे: डोनाल्ड ट्रंप

एजेंसी

वॉशिंगटन : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी ट्रेड पॉलिसी को लेकर एक और बड़ा ऐलान कर पूरी दुनिया को चौंका दिया है, हालांकि इसके संकेत वह पहले ही दे चुके थे. ट्रंप आज से स्टील और एल्युमीनियम इंपोर्ट्स पर 25% टैरिफ लगाने जा रहे हैं. यह एडिशनल मेटल ड्यूटीज के टॉप पर लगेगा. इस हफ्ते के आखिर तक इसका पता चल जाएगा. ट्रंप का कहना है कि इसके पीछे उनका मकसद अमेरिकी उद्योगों की रक्षा करना और ट्रेड बैलेंस में सुधार करना है. ट्रंप ने ये ऐलान रविवार को न्यू ऑरलियन्स में एयर फोर्स वन में मीडिया से

सामने किया. ट्रंप ने कहा कि वह टैरिफ लगाएंगे, ये तत्काल प्रभाव से लागू हो जाएगा. हालांकि, राष्ट्रपति ट्रंप ने ये साफ नहीं किया कि पारस्परिक टैरिफ को लेकर किन देशों पर उनका फोकस रहेगा. हालांकि उन्होंने ये साफ कर दिया कि अमेरिका भी अन्य देशों के बराबर ही टैरिफ रेट रखेगा और सभी देशों पर यह लागू होगा. उन्होंने अपने पारस्परिक टैरिफ प्लान पर कहा कि अगल वे हमसे टैरिफ लेते हैं तो हम भी उनसे लेंगे. ट्रंप ने 2016-2020 तक अपने पहले कार्यकाल में स्टील पर 25 प्रतिशत और एल्युमीनियम पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया था. लेकिन बाद में कनाडा, मैक्सिको और ब्राजील समेत कई ट्रेड पार्टनर्स को ड्यूटी फ्री कोटा दे दिया था. पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इन कोटा को ब्रिटेन, जापान और यूरोपीय संघ तक बढ़ा दिया था. हाल के सालों में अमेरिकी स्टील मिल क्षमता उपयोग में गिरावट दर्ज की गई है. आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, कनाडा, ब्राजील और मैक्सिको अमेरिकी स्टील इंपोर्ट के सबसे बड़े स्रोत हैं, इसके बाद दक्षिण कोरिया और वियतनाम का नाम आता है. कनाडा बड़े मार्जिन के साथ अमेरिका को प्राइमरी एल्युमीनियम मेटल का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है । 2024 के पहले 11 महीनों में कुल इंपोर्ट का 79 प्रतिशत है ।

अब बिना अंग्रेजी जाने भी आप जा सकते हैं न्यूजीलैंड

एजेंसी

नई दिल्ली । अगर आप न्यूजीलैंड में रहना और काम करना चाहते हैं तो आपके लिए एक अच्छी खबर है । दरअसल न्यूजीलैंड ने अपने 'गोल्डन वीजा' से जुड़े नियमों में बदलाव कर आसान बनाया है। इस वीजा को हासिल करने के लिए अंग्रेजी ज्ञान की अनिवार्य शर्त को खत्म कर दिया गया है। दसअसल इसका उद्देश्य अमीर लोगों को आकर्षित करना ह न्यूजीलैंड को उम्मीद है कि इससे उसकी अर्थव्यस्था को भी बढ़ावा मिलेगा । ये बदलाव एक अप्रैल से लागू होंगे । एक्टिव इनवेस्टर प्लस वीजा को दो श्रेणियों में पुनर्गठित किया गया है। इस कैटेगरी के वीजा के लिए निवेश के दायरे को और बढ़ा

दिया जाएगा. इसकी जानकारी रविवार को न्यूजीलैंड के प्रवासी मामलों के मंत्री एरिक स्टैनफोर्ड ने ऑकलैंड में दी । उन्होंने बताया कि अंग्रेजी भाषा जानने की अनिवार्यता को हटाने के अलावा निवेशकों द्वारा देश में बिताए जाने वाले अनिवार्य दिनों की संख्या को भी समायोजित किया गया है। विकास या उच्च जोखिम वाला वीजा । इस श्रेणी के वीजा के लिए तीन साल में कम से कम पांच मिलियन न्यूजीलैंड डॉलर के निवेश की जरूरत होगी. यह निवेश या तो सीधे व्यवसाय में करना होगा । या मैनेज फंड के जरिए । इस तरह के वीजा धारकों को न्यूजीलैंड में केवल 21 दिन रहने की शर्त रखी गई है। संतुलित या मिश्रित जोखिम वाला वीजी । इस श्रेणी के वीजा के लिए पांच साल में कम से कम 10 मिलियन न्यूजीलैंड डॉलर के निवेश की जरूरत होगी. यह निवेश बांड, स्टॉक, नई संपत्तियों के विकास या मौजूदा वाणिज्यिक और औद्योगिक संपत्ति में करना होगा । इस श्रेणी के वीजा धारक को न्यूजीलैंड कम से कम 105 दिन बिताने होंगे ।

हमास अब सभी बंधकों को रिहा करे : अमेरिकी विदेश मंत्री

एजेंसी

अमेरिकी । अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रुख को दोहराते हुए मांग की कि हमास सभी बंधकों को तुरंत रिहा करे. 490 दिनों तक कैद में रहने के बाद, एली, ऑर ओहद आखिरकार इजरायल में अपने घर पहुंच गए हैं. हमास को सभी बंधकों को तुरंत रिहा करना चाहिए! मार्को रुबियो का यह बयान ऐसे वक्त में आया है जब इजरायल ने हमास द्वारा बातचीत के जरिए रिहा किए गए तीन बंधकों की वापसी की पुष्टि

की. इससे पहले शनिवार को इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने घोषणा की थी कि तीनों बंधकों--ओहद बेन अमी, एली शराबी और ऑर लेवी -को रेड क्रॉस को सौंप दिया गया है, जिसने उन्हें इजरायली क्षेत्र में पहुंचाया है. आईडीएफ और शिन बेट बलों ने उनके पहुंचने पर उनका स्वागत किया, जहां उनका प्रारंभिक चिकित्सा मूल्यांकन किया जाना था. गाजा में बंधक बनाए गए ये लोग स्पष्ट रूप से कमजोर दिखाई दे रहे थे, उनकी कमजोर स्थिति ने उनके परिवारों में चिंता पैदा कर दी थी. टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के मुताबिक हमास ने उनकी रिहाई से पहले एक सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित किया था. इसमें बंधकों को एक प्रचार प्रदर्शन में भाग लेने के लिए मजबूर किया गया था. समारोह के दौरान एक नकाबपोश हमास कार्यकर्ता ने भाषण दिया ।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बेतिया में नवनिर्मिति सड़क ऊपरी पुल का राष्ट्र को किया समर्पित

पूरे देश में चलायी जाएगीं वंदे भारत ट्रेनें

एजेंसी

बेतिया। बिहार के बेतिया में समपार सं. 02 पर नवनिर्मित सड़क ऊपरी पुल (आर.ओ.बी.) का राष्ट्र को समर्पण हेतु रविवार को आयोजित समारोह में रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा नारी शक्तिस्वरूप महिलाओं के माध्यम से आरओबी का राष्ट्र को समर्पित कराया गया। इस दौरान उपस्थित सांसदगण एवं जनसमूह द्वारा बेतिया के रास्ते गोरखपुर और पटना के बीच वंदे भारत ट्रेन चलाने की भारी मांग पर उन्होंने विचार करने का आश्वासन दिया और कहा कि जल्द ही पूरे भारत में कई वंदे भारत ट्रेनें चलायी जाएगीं। रेल मंत्री द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित किये जा रहे बेतिया स्टेशन के 3डी मॉडल का भी अवलोकन किया गया। इस अवसर पर बेतिया में आयोजित समारोह में केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे, सांसद डॉ. संजय जायसवाल, सांसद सुनील कुमार, सांसद गोपालजी ठाकुर एवं विधायकगण सहित कई अन्य अतिथिगण उपस्थित थे। पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह एवं समस्तीपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक विनय श्रीवास्तव भी उपस्थित थे। समारोह के उपरांत बेतिया स्टेशन पर आयोजित प्रेस वार्ता में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि वर्ष 2009 से 2014 के बीच बिहार में रेलवे के विकास के लिए प्रतिवर्ष औसतन 1,132 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया जाता था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल के बजट में बिहार को रेलवे के लिए रिकॉर्ड 10 हजार 66 करोड़ रुपए का बजट दिया है। यानी पिछली सरकार की तुलना में करीब-करीब नौ गुना

अधिक बजट आवंटित किया है। इसी रिकॉर्ड बजट का परिणाम है कि बिहार में नई रेल लाइनों के निर्माण, विद्युतीकरण, नई ट्रेनों का संचालन, स्टेशनों का विकास, यात्री सुविधाओं में बढ़ोतरी के कार्य रिकॉर्ड स्तर पर किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में रेलवे के समग्र विकास हेतु 95 हजार 566 करोड़ रूपए का इंवेस्टमेंट किया जा रहा है जिससे अगले 05 वर्षों में बिहार में रेलवे का नेटवर्क का कम्पलीट ट्रांसफॉर्मेशन होने वाला है। उन्होंने कहा कि बिहार में चल रहे प्रोजेक्ट के लिए फंड की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी बिहार में 2009 से 2014 के मध्य जहां औसतन प्रतिवर्ष 64 किमी नई लाइन का निर्माण होता था वहीं 2014 से 2025 के मध्य प्रतिवर्ष औसतन 167 किमी नई लाइन का निर्माण हुआ है, जो लगभग 2.6 गुणा ज्यादा है। आपके बताते हुए खुशी हो रही है कि बिहार में 2014 से अब तक 1832 किमी नई रेल लाईन का निर्माण किया जा चुका है जो मलेशिया के कुल रेल नेटवर्क के बराबर है। इसके साथ ही बिहार में 2014 से 3020 किलोमीटर रेलवे ट्रैक का विद्युतीकरण किया गया है। इसी का परिणाम है कि आज बिहार में शत-प्रतिशत विद्युतीकरण हो चुका है। उन्होंने कहा कि अमृत भारत स्टेशन के तहत चम्पारण के आसपास के प्रमुख स्टेशनों जैसे- बेतिया, बापूधाम मोतिहारी, नरकटियागंज, रक्सौल आदि सहित बिहार में कुल 98 स्टेशनों का पुर्नविकास किया जा रहा है। इसके साथ ही इस क्षेत्र में रेलवे अवसंरचना के विकास हेतु नरकटियागंज-रक्सौल-सीतामढ़ी-दरभंगा रेलखंड के दोहरीकरण कार्य की कैबिनेट द्वारा मंजूरी दी गयी है। वर्तमान में वाल्मीकिनगर-सगौली एवं सगौली-मुजफ्फरपुर रेलखंड का दोहरीकरण कार्य चल रहा है। इसके पूर्ण हो जाने से इस क्षेत्र में और कई ट्रेनों का परिचालन संभव हो पाएगा। पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि इससे पहले रविवार सुबह रेल मंत्री द्वारा गोरखपुर से स्पेशल ट्रेन द्वारा गोरखपुर-वाल्मीकिनगर-बगहा-बेतिया रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया गया। इस दौरान रेल मंत्री महोदय का वाल्मीकिनगर, बगहा एवं नरकटियागंज रेलवे स्टेशनों पर उपस्थित जनसमूह द्वारा फूलमाला से स्वागत किया गया। विदित हो कि बेतिया शहर में ट्रैफिक जाम से राहत के लिए 103 करोड़ रुपए की लागत से बेतिया और कुमारबाग स्टेशन के मध्य बेतिया (छावनी) के निकट समपार सं. 02 पर सड़क ऊपरी पुल (आर.ओ.बी.) के निर्माण की मंजूरी दी गयी थी। इस परियोजना के तहत आरओबी के साथ ही रेलवे लाईन के एक तरफ बेतिया-लौरिया लेन तथा दूसरी तरफ मैनाटांड एवं नरकटियागंज लेन का निर्माण किया जाना था। पिछले वर्ष मार्च, 2024 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा इस आरओबी के बेतिया-लौरिया लेन का उद्घाटन किया गया था। इस आरओबी के मैनाटांड लेन तथा नरकटियागंज लेन भी पिछले वर्ष मई, 2024 में चालू कर दिए गए थे। इस परियोजना का शेष बचा भाग सड़क उपरि पुल का निर्माण कार्य पिछले माह जनवरी 2025 में पूरा कर लिया गया था जिसका माननीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव जी द्वारा राष्ट्र को समर्पित किया गया। इस आरओबी के चालू होने के बाद बेतिया शहरवासियों को एक ओर जहां ट्रैफिक जाम से बड़ी राहत मिलेगी वहीं यातायात की आवाजाही आसान और तेज होगी। साथ ही, ट्रेनों की परिचालन की संरक्षा कई गुना बढ़ जाएगी। बेतिया में आरओबी का राष्ट्र को समर्पण के उपरांत रेल मंत्री महोदय स्पेशल ट्रेन द्वारा मुजफ्फरपुर पहुंचे जहां उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित किये जा रहे मुजफ्फरपुर जं. के 3डी मॉडल का भी अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि मुजफ्फरपुर वासियों के लिए हर्ष की बात है कि 442 करोड़ की लागत से मुजफ्फरपुर जं. का वर्ल्ड क्लास स्टेशन के रूप में विकास किया जा रहा है। इस अवसर पर उपस्थित प्रेस प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार में रेलवे के विकास के लिए कई परियोजनाओं पर कार्य किये जा रहे हैं और इन परियोजनाओं को पूरा करने के लिए फंड की किसी भी तरह की कमी नहीं होने दी जाएगी । उन्होंने यह भी कहा कि लंबी दूरी के लिए 100 अमृत भारत ट्रेनें तथा कम दूरी के लिए 50 नमो भारत ट्रेनें बनाने की योजना है। उन्होंने कहा कि रेलवे द्वारा 95 हजार युवाओं की भर्ती हेतु प्रक्रिया चल रही है। पिछले वर्ष भारतीय रेलवे द्वारा पारदर्शी तरीके से 1.51 लाख से ज्यादा भर्तियां की गयी हैं।

खास खबर

बुमराह के चैम्पियंस ट्रॉफी में खेलने पर संशय बरकरार

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में खेलना अभी तय नहीं है। बुमराह को सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें टेस्ट के दौरान चोट लग गई थी। उसके बाद से ही वह बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) में हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) भी बुमराह को लेकर जल्दबाजी में कोई भी फैसला नहीं लेना चाहती है। बीसीसीआई अभी इंतजार करो की नीति पर चल रही है। अगर बुमराह फिट नहीं होते हैं तो भारतीय गेंदबाजी आक्रमण कमजोर हो जाएगा। वह अभी एनसीए में रिहैबिलिटेशन शुरू करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने अपनी पीठ के स्कैन भी कराए हैं। उनके एक दो दिन में गेंदबाजी शुरू करने की भी संभावना है। बीसीसीआइ चैंपियंस ट्रॉफी के लिए चयनित टीम में 11 फरवरी तक बदलाव कर सकता है। ऐसे में बोर्ड बुमराह को खेलने का हर मौका देने के लिए आखिरी समय तक इंतजार करने को तैयार है। एक रिपोर्ट के अनुसार अगर बुमराह के फिट होने की एक फीसदी भी संभावना रही तो बोर्ड उनका इंतजार करेगा। बीसीसीआई के पास टीम के नाम देने के बाद भी तकनीकी कमेटी से विकल्प की मांग का अवसर रहेगा।

रोहित ने अपनी शतकीय पारी के साथ ही बनाये कई रिकार्ड

कटक । भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में शतकीय पारी खेलकर अपने आलोचकों को जवाब देने के साथ ही कई रिकार्ड भी तोड़ दिये। रोहित ने इसी के साथ ही 30 साल की उम्र के बाद सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया है। रोहित के करियर का ये 32वां एकदिवसीय शतक था। रोहित ने 90 बॉल पर 12 चौके और 7 छक्के की मदद से 119 रन बनाये। इस दौरान वो भारत की ओर से 30 साल की उम्र के बाद सबसे ज्यादा एकदिवसीय शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने हैं। इंग्लैंड के खिलाफ जमाया गया रोहित का शतक 30 की उम्र के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनका 36वां शतक था। इसी के साथ 37 साल रोहित 30 साल की उम्र के बाद सबसे ज्यादा शतक लगाने का भारतीय खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम था। सचिन ने 30वें जन्मदिन के बाद 35 शतक लगाए थे। ऐसे में 30 साल की उम्र के बाद सबसे ज्यादा एकदिवसीय शतक लगाने का विश्व रिकॉर्ड अब रोहित के नाम हो गया है. उन्होंने 30 साल की उम्र के बाद एकदिवसीय में 22 शतक शतक लगाये हैं। वहीं दूसरे नंबर पर 21-21 शतक लगाने वाले श्रीलंका के सनथ जयसूर्या और तिलकरत्ने दिलशान हैं।

जडेजा के सामने टिक नहीं पाते रुट

कटक । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी स्पिनर रवींद्र जडेजा के सामने इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रुट टिक नहीं पाते हैं। दूसरे एकदिवसीय मैच में भी यह देखा गया कि जडेजा के सामने रुट बेबस नजर आये और उनका शिकार बने। पहले एकदिवसीय में भी वह जडेजा का शिकार बने थे। जडेजा और रूट के बीच साल 2012 में पहली बार टक्कर हुई थी। तब से दोनों के बीच रोमांचक मुकाबला होता रहा है। उन्होंने रूट को हर प्रारुप में परेशान किया है। जडेजा ने एकदिवसीय में रूट को 5 बार आउट किया है। वहीं इससे पहले केवल बोल्ट ने ही रूट को एकदिवसीय में 5 बार आउट किया था। इसके अलावा दुनिया में एक भी गेंदबाज ऐसा नहीं है। जिसने रूट को एकदिवसीय में इतनी बार पैवेलियन भेजा हो। वहीं टेस्ट में भी जडेजा के सामने रूट टिक नहीं जो हैं और 8 बार उनकी गेंद पर आउट हुए हैं। इस तरह उन्होंने रूट को कुल 13 बार पेवेलियन भेजा है। इसके अलावा जसप्रीत बुमराह ने भी जो रूट को 13 बार पेवेलियन भेजा है। उन्होंने रुट को टेस्ट में 9, एकदिवसीय में 3 और टी20 मैच में एक बार आउट किया है। इस तरह जो रूट को सबसे ज्यादा बार आउट करने का भारतीय रिकॉर्ड संयुक्त रूप से जडेजा और बुमराह के नाम है।

झारखंड महिला हॉकी टीम अपने चौथे मैच में मिजोरम को 4-3 से किया पराजित

एजेंसी

देहरादून : 28 जनवरी से 14 फरवरी 2025 तक देवभूमि हरिद्वार, उतराखंड में आयोजित 38 वें राष्ट्रीय खेल में झारखंड महिला हॉकी टीम का आज अपने चौथे मैच में हॉकी मिजोरम को 4-3 गोल से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश कर गई।

38 वें राष्ट्रीय खेल : 2025

आज के मैच में मध्यांतर तक झारखंड टीम 1-0 से पीछे चल रही थी ,परंतु मध्यांतर के बाद आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए एक के बाद एक लगातार चार गोल कर मैच वापसी करने के साथ 4-1 की बढ़त ले ली परंतु अंतिम क्वार्टर में मिजोरम और दो गोल कर तहलका मचा दी परंतु झारखंड टीम अपने अनुभव का लाभ लेते हुए मिजोरम की अग्रिम लाइन को बांध कर रख दिया और मैच अपने नाम कर ली। इस मैच में झारखंड की अलबेला रानी टोप्पो, सजना होरो,रोशनी आइनद और डिप्टी टोप्पो ने एक एक गोल की। इससे पूर्व झारखंड टीम अपने दूसरे मैच में हॉकी मणिपुर को 7-0 से , पहले मैच में मेजबान उत्तराखंड को झारखंड टीम 2-0 से पराजित कर चुकी है जबकि तीसरा मैच महाराष्ट्र के खिलाफ ड्रॉ रहा था।। झारखंड की जीत और सेमीफाइनल में प्रवेश करने पर मनोज कुमार,सचिव पर्यटन ,कला संस्कृति खेल कूद एवम युवा कार्य विभाग झारखंड, संदीप कुमार निदेशक खेलकूद एवम युवा कार्य विभाग, भोलानाथ सिंह महासचिव हॉकी इंडिया, मधुकांत पाठक महासचिव झारखंड ओलंपिक संघ, श्री विजय शंकर सिंह, शिवेंद्र दुबे,मनोज कोनबेगी, असरिता लकड़ा,असुंता लकड़ा, रजनीस कुमार, शशि कांत प्रसाद, माइकल लाल सहित खेल विभाग झारखंड सरकार, झारखंड ओलंपिक संघ एवम हॉकी झारखंड के समस्त पदाधिकारियों ने बधाई और सेमीफाइनल मैच के लिए शुभकामनाएं दी है।

राष्ट्रीय खेलों से उत्तराखंड में खेल संस्कृति को मिली नई ऊंचाई

देहरादून : उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों ने प्रदेश में खेल संस्कृति को एक नई ऊंचाई तक पहुंचा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य में खेलों को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, जिसके सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट रूप से नजर आने लगे हैं। राष्ट्रीय खेलों के सफल आयोजन ने प्रदेश के युवाओं को न केवल प्रेरित किया है, बल्कि उन्हें अपने सपनों को साकार करने का एक बड़ा मंच भी प्रदान किया है। इस आयोजन के माध्यम से युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का सुनहरा अवसर मिला। खेलों के प्रति बढ़ी जागरूकता राष्ट्रीय खेलों को देखने पहुंचे महिलाओं और अभिभावकों ने सरकार के इस कदम की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस आयोजन से प्रदेश में खेलों को लेकर जागरूकता बढ़ी है। इससे बच्चों को प्रेरणा मिली है।

कर्नाटक का राफ्टिंग में दबदबा, महिला और मिश्रित श्रेणियों में भी जीते गोल्ड

देहरादून : 38वें राष्ट्रीय खेल में काकड़घाट, बूम मंदिर, टनकपुर में चल रहे राफ्टिंग मुकाबलों में रविवार को कई शानदार प्रदर्शन देखने को मिले। विभिन्न श्रेणियों में प्रतियोगी अपनी जबरदस्त टैलेंट का प्रदर्शन कर रहे हैं। डाउन रिवर मिक्स्ड रेस में कर्नाटक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया। कर्नाटक का समय 34:07.967 रहा, जबकि महाराष्ट्र ने 35:31.761 के साथ दूसरा और हिमाचल प्रदेश ने 35:44.097 के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। स्लालम (पुरुष) में सर्विसेज ने 3:40.690 का समय निकालकर गोल्ड जीता। आंध्र प्रदेश ने 3:45.460 के साथ

सिल्वर जबकि कर्नाटक ने 3:46.820 के साथ ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। स्लालम (महिला) श्रेणी में कर्नाटक ने 4:47.710 के समय के साथ पहला स्थान प्राप्त किया। उत्तराखंड ने 5:18.360 के साथ दूसरा और हरियाणा ने 6:09.740 के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

एशिया मिश्रित टीम बैडमिंटन चैंपियनशिप आज से

भारत का पहला मुकाबला मकाउ से होगा

एजेंसी

किंगदाओ । एशिया मिश्रित टीम बैडमिंटन चैंपियनशिप मंगलवार से यहां शुरू होगी। इस चैम्पियनशिप में पी वी सिंधु की कमी भारतीय टीम को खलेगी। सिंधु चोटिल होने के कारण इस चैंपियनशिप से बाहर हैं। सिंधु की जगह विश्व रैंकिंग में 29वें नंबर की खिलाड़ी मालविका बांसोड़ को अवसर मिला है और उन्हें महिला एकल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। भारतीय टीम को इस प्रतियोगिता में ग्रुप डी में

रखा गया है जहां उसका पहला मुकाबला बुधवार को मकाउ से होगा। भारतीय टीम को इसके बाद गुरुवार को दक्षिण कोरिया की मजबूत टीम से मुकाबला करना है। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली दो टीम क्वार्टर फाइनल में जगह बनाएंगी। भारतीय टीम को क्वार्टर फाइनल तक तो शायद ही परेशानी आये पर उसके बाद उसे आगे बढ़ने के लिए काफी प्रयास करना होगा। भारत एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप में अभी तक स्वर्ण पदक नहीं जीत पाया है हालांकि उसने 2018 और 2022 में राष्ट्रमंडल खेलों में मिश्रित टीम प्रतियोगिता में स्वर्ण और रजत पदक जीता था। भारतीय टीम का हाल के दिनों में टीम प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन किया है। उसने 2022 में थॉमस कप में स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय टीम की उम्मीदें एचएस प्रणय, लक्ष्य सेन, अश्विनी पोनप्पा, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी पर टिकी हैं। इसके अलावा पुरुष एकल और पुरुष युगल वह महिला युगल में भी टीम को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें हैं।

झारखंड योग टीम केरल रवाना

पंच संवाददाता

रांची : केरल में आगामी 13 से 16 फरवरी तक आयोजित 49वीं राष्ट्रीय योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए 34 सदस्यीय दल सोमवार को धनबाद एलेप्पी एक्सप्रेस से केरल के लिए रवाना हुई। झारखंड टीम के साथ प्रशिक्षक के रूप में जमशेदपुर के सपन कुमार साह एवं रांची के राहुल पोद्दार तथा टीम के मैनेजर अमरेंद्र कुमार विकल भी केरल रवाना हुए। सभी खिलाड़ियों को संघ के संजय कुमार झा, पंकज प्रसाद, रजनी बक्शी ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामना देते हुए केरल के लिए रवाना किया। झारखंड योग टीम के महिला वर्ग में नंदनी कुमारी,

पलक जायसवाल, निशा रजवार, नीलांजना, रिंकी महतो, सरिता कुमारी, सुरभी सिंह, सीमा कुमारी, सृष्टि जैन, आरती देवी, चित्रा साहा, सोनाली मंडल, दीप्ति महतो, रेणु कुमारी, राखी सिन्हा शामिल है। वहीं पुरुष वर्ग में मोहित कुमार, रोहित कुमार पंडित, अभिषेक राम, आशीष रंजन, विशाल कुमार सोनी, निशांत कुमार, विनीत सिंह, विक्रम कुमार, शत्रुंजय कुमार, विनय पंडित, अभिषेक कुमार सिंह, डॉक्टर अभिषेक महेश्वरी, रविंद्र कुमार सुमन, चंदन कुमार सिंह, अजीत कुमार, देवीलाल महतो टीम में शामिल है।

डब्ल्यू पीसी में फिर से टाइटल फोल्डर बने रांची के अभिषेक सोनी

एजेंसी

रांची : झारखंड के कोडरमा जिले में आयोजित डब्लूपीसी पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में रांची के अभिषेक सोनी(डब्लू) बेंच प्रेस प्रतियोगिता में टाइटल होल्डर बने हैं अभिषेक सोनी 2025 में धनबाद के कोल्यांचल पॉवरलिफ्टिंग मे भी उन्होंने टाइटल का खिताब जीता और कोडरमा मे बेंच प्रेस स्पृधा मे 82.5 बॉडी वेट में 160 केजी बेंच प्रेस और डेड लिफ्ट और ओवर आल मे टाइटल होल्डर विजेता बने उनके साथ साथ राज चौधरी राज कुमार शिवा कुमार भी ब्रॉनज मेडल विजेता बने ।

राष्ट्रीय खेलों में 'गो ग्रीन' की ऐतिहासिक पहल

100 % रिसाइकल्ड बोतलों के साथ मिशन जीरो प्लास्टिक बॉटल वेस्ट की शुरूआत

एजेंसी

नई दिल्ली । 38वें राष्ट्रीय खेलों में पहली बार 'गो ग्रीन' पहल को अपनाते हुए पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। यह पहली बार है जब किसी राष्ट्रीय खेल आयोजन में 100% आर पीईटी (रिसाइकल्ड पीईटी) बोतलों का उपयोग किया जा रहा है। इस पहल के तहत खेल आयोजनों को पर्यावरण-अनुकूल बनाने और प्लास्टिक कचरे को पूरी तरह समाप्त करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ऐतिहासिक कदम राष्ट्रीय खेलों में इस बार मिशन जीरो प्लास्टिक बॉटल वेस्ट की शुरूआत की गई है। खेल स्थलों पर प्रमुख स्थानों पर कांच की

बोतलों का उपयोग किया जा रहा है, वहीं प्लास्टिक कचरे के पुनर्चक्रण की विशेष व्यवस्था की गई है। खेलों के दौरान एकत्रित प्लास्टिक कचरे का उपयोग बेंच निर्माण में किया जाएगा, जिससे यह कचरा दोबारा उपयोग में आ सके।

रिकॉर्ड-ब्रेकिंग पहलः पहली बार क्या हुआ खास

भारत में पहली बार किसी राष्ट्रीय खेल आयोजन में 100% आरपीईटी बोतलों का उपयोग किया जा रहा है। 'क्लियर पानी' इस पहल को अपनाने वाला भारत का पहला ब्रांड बना, जो 'विकसित भारत' और 'आत्मनिर्भर भारत' को समर्थन देता है। 360 सर्कुलर इकोनॉमी और सस्टेनेबिलिटी ड्राइव की पहली बार शुरूआत हुई, जिसमें रिसाइकल्ड प्लास्टिक से बनी बोतलों का उपयोग और पुनः संग्रहण समानांतर रूप से किया जा रहा है। पहली बार किसी राज्य ने इतने बड़े स्तर पर मिशन जीरो प्लास्टिक बॉटल वेस्ट अभियान शुरू किया। 9,000+ एथलीटों और 20,000+ सहयोगी स्टाफ ने पर्यावरण-अनुकूल पानी की बोतलों के उपयोग की शपथ ली ।

सूर्यकुमार की नकल करते नजर आये विराट

एजेंसी

कटक । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में वापसी करते हुए रन बनाने में असफल रहे। विराट इस मैच में केवल पांच रन ही बना पाये। इसके बाद भी मैच के दौरान सूर्यकुमार यादव की नकल का उनका एक वीडियो सोशल मीडिया में जमकर पसंद किया जा रहा है। जब भारतीय टीम इस मैच में 305 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा कर रही थी। उसी दौरान विराट ने च्यूइंग गम चबाना शुरू कर दिया। इसके बाद वह अचानक ही भारतीय टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव की नकल उतारने लगे। वह इस दौरान कुछ बोल भी रहे थे पर वह साफ समझ नहीं आ रहा था।

उन्हें देखकर शुभमन गिल सहित अन्य खिलाड़ी हंसने लगे। सूर्यकुमार को टीम का ह्यच्यूइंग गम मैन कहा जाता है। वह हमेशा च्यूइंग गम चबाते दिखते हैं। फिर चाहे वह बैटिंग कर रहे हो, फील्डिंग कर रहे हो ।

पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट में श्याम लाल कॉलेज ने जीत से की

एजेंसी

नयी दिल्ली : मेजबान श्याम लाल कॉलेज ने दमदार प्रदर्शन करते हुए इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंस को 4-2 से हराकर 11वें पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल आमंत्रण हॉकी टूर्नामेंट में विजयी शुरूआत की। टूर्नामेंट का उद्घाटन सोमवार को दिल्ली यूनिवर्सिटी के डीन ऑफ कॉलेजेस प्रो. बालाराम पाणि और पूर्व ओलंपियन अशोक ध्यानचंद ने किया। इस अवसर पर श्याम लाल कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो. रबि नारायण कर ने सभी अतिथियों और खिलाड़ियों का

स्वागत किया और खेलों को बढ़ावा देने का भरोसा दिलाया। प्रवीण बने 'प्लेयर ऑफ द मैच-श्याम लाल कॉलेज के लिए प्रवीण ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल दागे और प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता। ललित और मोहित ने भी एक-एक गोल कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। पराजित टीम के लिए पुलकित ने दो गोल किए। अशोक ध्यानचंद ने टूर्नामेंट को सराहा-पूर्व ओलंपियन अशोक ध्यानचंद ने टूर्नामेंट की सराहना करते हुए ।

ईस्टर्न केप के बल्लेबाज डेविड बेडिंघम ने शादी टाली पर टीम को जीत नहीं दिला पाये

जोहांसबर्ग । सनराइजर्स ईस्टर्न केप के बल्लेबाज डेविड बेडिंघम को एसए 20 लीग में टीम की हार के साथ ही दोहरा झटका लगा है। बेडिंघम ने खिताबी मुकाबले के लिए अपनी शादी तक टाल दी थी पर टीम के हारने से उनके सपनों पर पारी फिर गया। एमआई केपटाऊन ने फाइनल में सनराइजर्स को हराया था। ऐसे में शादी टालने का भी उन्हें कोई लाभ नहीं हुआ। सनराइजर्स ईस्टर्न केप में लगातार तीसरी बार फाइनल में पहुंची थी पर उसे यहां असफलता हाथ लगी। बेडिंघम ने टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किस पर फाइनल में वह विफल रहे और 8 गेंदों पर केवल 5 रन ही बना पाये।

भारत को खेल और तकनीक के क्षेत्र में ग्लोबल हब बनाएगा स्पोर्ट्स एआई चैलेंज

एजेंसी

पटना । खेलों का स्वरूप समय के साथ बदलता रहा है। जहाँ पहले खेल सिर्फ मनोरंजन और प्रतियोगिता का माध्यम थे, वहीं अब तकनीक और डेटा एनालिटिक्स ने इन्हें नई ऊँचाइयों पर पहुँचा दिया है। आज खेल न सिर्फ शारीरिक कौशल का प्रदर्शन हैं, बल्कि तकनीकी नवाचार और गहरी विश्लेषण क्षमता का संगम भी बन गए हैं। भारत को इस क्षेत्र में एक वैश्विक नेता बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम है 'स्पोर्ट्स डेटा गेमथॉन।' फेडरेशन ऑफ इंडियन फैंटेसी स्पोर्ट्स (एफआईएफएस) ने ड्रीम11 के साथ मिलकर 'स्पोर्ट्स डेटा गेमथॉन' की शुरूआत की है। यह स्पोर्ट्स एआई चैलेंज भारत को खेल और तकनीक के क्षेत्र में ग्लोबल हब बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। इस प्रतियोगिता में प्रमुख भारतीय संस्थानों की 52 टीमों को शॉर्टलिस्ट किया गया है, जो आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दौरान प्रतिस्पर्धा करेंगी।

प्रतियोगिता में प्रतिभागी एआई और मशीन लर्निंग का उपयोग करते हुए डेटा-संचालित स्ट्रेटेजीस तैयार करेंगे। विजेताओं के लिए 25 लाख रुपए के कुल पुरस्कार रखे गए हैं, जिसमें प्रथम स्थान पर आने वाली टीम को 12.5 लाख रुपए मिलेंगे। एफआईएफएस के महानिदेशक जॉय भट्टाचार्य ने कहा, स्पोर्ट्स डेटा गेमथॉन एक ऐसा मंच है, जो युवाओं को खेलों के क्षेत्र में तकनीकी नवाचारों का प्रदर्शन करने का अवसर देगा। यह पहल भारत को खेल और तकनीक में वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाएगी।

सुशील सिंह के ऑलराउंड प्रदर्शन से अमानत ने गंगा की बाधा पार की

एजेंसी

रांची : रांची प्रेस क्लब मीडिया क्रिकेट के चौथे दिन जेके क्रिकेट मैदान में दो लीग मुकाबले खेले गए। पहले मुकाबले में अमानत ने गंगा को 70 रनों से हराया। इस मुकाबले में अमानत टीम से सुशील कुमार सिंह प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। दूसरे मुकाबले में दामोदर ने अजय को 45 रनों से पराजित किया। इस सत्र का पहला शतक जड़ने वाले दामोदर टीम के बासुदेव मिश्रा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जिन्होंने 103 रनों की नाबाद शानदार पारी खेली।

अमानत की लगातार दूसरी जीत

पहले मुकाबले में अमानत ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए (188/3) रन बनाए। अमानत के कप्तान ने ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए बल्लेबाजी में 65 रन और गेंदबाजी में 2 विकेट लिए। टीम के समीर सृजन ने ताबड़तोड़ 54 रनों की पारी खेली। लक्ष्य का पीछा करते हुए गंगा टीम (118/9) रन ही बना सकी। गंगा की ओर से रियाज ने सर्वाधिक 25 रन बनाए। अमानत की ओर से असगर ने 3 विकेट लिए

दामोदर के जीत का खाता खुला, अजय की लगातार दूसरी हार

दिन का दूसरा मुकाबला अजय और दामोदर के बीच खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दामोदर ने (188/2) रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से बासुदेव में 57 गेंदों में 103 रन बनाए। श्रवण ने 38 रनों की पारी खेल उनका साथ दिया। दूसरी पारी में अजय (143/7) ही बना सकी। अजय की ओर से अशोक गोप ने सर्वाधिक 42 रन बनाए। दामोदर के श्रवण और राजेश ने 2- 2 विकेट लिए। आरपीसी मीडिया कप के टाइटल स्पोंसर टाटा स्टील, को स्पोंसर अडानी पावर, मदर जीरामनी टीचर ट्रेनिंग कॉलेज, अलेक्सा रिजॉट एन्ड रेस्टोरेंट, सपोटिंग पार्टनर टाइटन वर्ल्ड हरमू रोड एन्ड जेके इंटरनेशनल स्कूल (जेके क्रिकेट एकेडमी) रहे।

आर्यन हुड्डा के शतक से झारखंड मजबूती की ओर, झारखंड पहली पारी 4/ 324

रांची। कानपुर के ग्रीन पार्क में चल रहे सीके नायडू अंडर- 23 स्टेट ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के तहत झारखंड की टीम उत्तर प्रदेश के खिलाफ मजबूत स्थिति की ओर अग्रसर है । चार दिवसीय क्वार्टर फाइनल मैच के पहले दिन का खेल समाप्त होने तक झारखंड ने चार विकेट पर 324 रन बना लिए थे। आर्यन हुड्डा ने 161 रन बनाकर अपने टीम को मजबूती प्रदान की । उसने कुल 23 चौके लगाए। रोबिन मिंज भी 35 रन बनाकर नाबाद रहे। हुड्डा के अलावा सत्य सेतु ने भी छह चौके की मदद से 76 रन बनाकर अपनी टीम को अच्छी स्थिति में पहुंचाने में मदद की।

किस तरह के बर्तन में खाना पकाते हैं या खाते हैं आप

किचन के खाने से पूरी फैमिली की सेहत जुड़ी होती है इसलिए खाना बनाते वक्त साफ-सफाई का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है लेकिन क्या आप जानती है कि खाना बनाने वाले बर्तनों में भी परिवार की हेल्थ डिपेंड करती है। इस बात पर ध्यान देने की बहुत जरूरत होती है कि हम किस तरह के बर्तन में खाना पकाते हैं या खाते है। आइए जानते हैं कि खाना पकाने के लिए किस तरह के बर्तनों का इस्तेमाल करना चाहिए-

पीतल

पीतल के बर्तनों में खाना पकाना एवं खाना आमतौर पर पुराने समय में ज्यादा किया जाता था। यह नमक और अम्ल के साथ प्रतिक्रिया करता है, इसलिए खट्टी चीजों का या अधिक नमक वाली चीजों को इसमें पकाना या खाना नहीं चाहिए, वरना फूड पॉइजनिंग हो सकती है।

तांबा

तांबे के बर्तनों का इस्तेमाल भी पुराने जमाने से ही किया जाता रहा है और यह भी पीतल की तरह ही अम्ल और नमक के साथ प्रतिकिया करता है। कई बार पकाए जा रहे भोजन में मौजूद ऑर्गेनिक एसिड बर्तनों के साथ रिएक्शन कर ज्यादा कॉपर पैदा कर सकते हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचाता है।

स्टेनलेस स्टील

स्टेनलेस स्टील का इस्तेमाल आज के समय में काफी चलन में है। यह एक मिक्स धातु है जो लोहे में कार्बन, क्रोमियम और निकल मिलाकर बनाई जाती है। इसमें खाना पकाने या बनाने में सेहत को कोई नुकसान नहीं होता। इन बर्तनों का तापमान बहुल जल्दी बढ़ता है।

एल्युमीनियम

एल्युमीनियम के बर्तनों का इस्तेमाल लगभग हर घर में होता ही है। गर्मी मिलने पर एल्युमीनियम के अणु जल्दी सक्रिय होते हैं और एल्युमीनियम जल्दी गर्म होता है। एल्युमीनियम के बर्तन में खाना पकाना हेल्थ के लिए अच्छा नहीं होता। यह भी एसिड के साथ बहुत जल्दी रिएक्शन करता है, इसलिए इसमें खटाई जैसे अचार, नींबू जैसी चीजों का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

लोहा

भोजन पकाने और खाने के लिए लोहे के बर्तनों का इस्तेमाल हर तरह से फायदेमंद होता है। इन बर्तनों में पकाए गए भोजन में आयरन की मात्रा अपने आप बढ़ जाती है और आपको उसका भरपूर पोषण मिलता है। आमतौर पर सभी को आयरन की जरूरत होती है और महिलाओं के लिए खास तौर पर आयरन बहुत फायदेमंद होता है।

नॉन स्टिक

नॉन स्टिक का मतलब है, ना चिपकने वाला। ऐसे बर्तन जिनमें खाना चिपकता नहीं है और पकाने के लिए अधिक तेल या घी की जरूरत भी नहीं होती लेकिन इन बर्तनों को ज्यादा गर्म या खरोंच ना लगाएं, इससे इनमें कई ऐसे केमिकल निकलते हैं जो सेहत को नुक्सान पहुंचाते हैं।

खूबसूरती ही नहीं घर में सुख-शांति बढ़ाने का काम भी करता है आइना

आइना सिर्फ चेहरा देखने के लिए बल्कि घर की खूबसूरती बढ़ाने का काम भी करता है। मगर आइना अगर वास्तु के हिसाब से लगा हो घर में सुख-शांति बढ़ाने का काम भी करता है। चलिए आज हम आपको बताते हैं कि घर में पॉजिटिव एनर्जी बढ़ाने के लिए किस आकार, साइज और दिशा में शीशा रखना चाहिए।

पैसों के किल्लत दूर करने के लिए

पैसों की तंगी दूर करने के लिए घर की दक्षिण दिशा में एक बड़ा गोल दर्पण लगाएं। इससे ना सिर्फ पैसों की किल्लत दूर होगी बल्कि यह घर में पॉजिटिव एनर्जी भी बढ़ाएगा।

सुख-शांति बनाए रखने के लिए

वास्तु के अनुसार, घर की उत्तर दिशा में आइना लगाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है और इससे परिवार के सदस्यों में लड़ाई-झगड़ें भी नहीं होती। इसके लिए आप उत्तर दिशा में अंडाकार शीशा लगाएं।

कपल्स के लिए

बेड के सामन दर्पण नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे पति-पत्नी के रिश्ते पर बुरा असर पड़ता है। बेडरूम में शीशा ऐसी जगह लगाएं, जहां से इसमें बेड ना दिखे। आप बेडरूम की दक्षिण में तिकोना आइना लगा सकते हैं।

मुख्य दरवाजा

कभी भूलकर भी घर के मुख्य द्वारा पर शीशा ना रखें। ऐसा करने से घर में नाकारात्मक ऊर्जा का वास होता है। इसके साथ ही मुख्य दरवाजे पर कोई चमकदार चीज भी ना रखें

बाथरूम में इस दिशा में लगाएं आइना

जिन लोगों का बाथरूम दक्षिण या पश्चिम दिशा में है उनको उत्तर दिशा में वर्गाकार आइना लगाना चाहिए। ऐसा करने से बाथरूम का वास्तुदोष खत्म हो जाएगा।

घर में ना रखें टूटा हुआ आइना

घर में कभी-भी टूटा हुआ शीशा नहीं रखना चाहिए। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ जाता है। साथ ही इससे परिवार क बीच झगड़े भी होने लगते हैं।

शीशे के शो-पीस

शीशे के शो-पीस को या एक्वेरियम को हमेशा उत्तर-पूर्व दिशा में ही लगाएं। इस दिशा में आइना या शो-पीस लगाने से घर में साकारात्मक ऊर्जा का वासा होगा।

आज के समय में हर महिला अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करना पसंद करती है। यह एक्सपेरिमेंट सिर्फ कपड़ों या स्टाइल तक ही सीमित नहीं होता, बल्कि मेकअप में भी बदलाव करके एक नया लुक पाया जा सकता है। शायद यही कारण है कि हर महिला की मेकअप किट में कई तरह के कलर्स आसानी से मिल जाते हैं। अगर आप भी इस बार पार्टी में न्यू लुक पाने के लिए डार्क लिपस्टिक लगाने का मन बना रही हैं तो कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखे

डार्क लिपस्टिक लगाने से पहले रखें ध्यान

लिप्स को करें तैयार

होंठों का फटना एक आम समस्या है। इसलिए अगर होंठ ड्राई या फटे हैं तो पहले उसे एक्सफोलिएट करें। इसके लिए शहद में कुछ बूंदें नारियल तेल व एक चम्मच चीनी डालकर मिक्स करें और उसे होंठों पर लगाकर हल्के हाथों से रब करें। करीबन पांच मिनट बाद ठंडे पानी से होंठ साफ करें।

ऐसे करें शुरूआत

होंठों पर लिपस्टिक लगाने से पहले लिप प्राइमर लगाना जरूरी है। यह आपके लिप्स को एक बेस देते हैं। अगर आप चाहें तो लिप बाम की एक पतली सी लेयर भी लगा सकती हैं। इसके बाद फेस मेकअप करें। जब यह लिप बाम सूख जाए, तो टिश्यू पेपर की मदद से अतिरिक्त बाम को हटाएं और फिर डार्क लिपस्टिक अप्लाई करें।

लिप ब्रश का इस्तेमाल

लिपस्टिक अप्लाई करते समय इस बात का ध्यान रखना बेहद आवश्यक होता है, फिर चाहे आप लाइट लिपस्टिक लगाएं या डार्क। कभी भी लिपस्टिक को सीधे न लगाएं, बल्कि इसके लिए लिपब्रश का प्रयोग करें। ऐसा करने से होंठों के अंत पर भी लिपस्टिक बिना फैले हुए बेहद आसानी से लग जाती है। इतना ही नहीं, लिपब्रश की मदद से लिपस्टिक लगाने के पश्चात होंठों को एक नई डेफिनेशन मिलती है।

इसका रखें ध्यान

यह अवश्य सुनिश्चित करें कि वह आपकी स्किन टोन को कॉम्पलिमेंट करता हो।

तो ये ट्रिक्स अपनाकर बच्चे के स्मार्ट पेरेंट्स बन सकते हैं आप

आज के किड्स बहुत स्मार्ट हैं। उन्हें कुछ सिखाने या बताने की जरूरत नहीं होती। उनकी यही स्मार्टनेंस पेरेंट्स के लिए अनेक मुश्किलें खड़ी कर देती है, जिन्हें हैंडल करना उनके लिए आसान नहीं होता। यदि आप चाहें तो कुछ ट्रिक्स अपनाकर अपने बच्चे के स्मार्ट पेरेंट्स बन सकते हैं।

बच्चों की फिजूलखर्ची

आजकल के बच्चों की फरमाइशें इतनी हैं तो मा-बाप उनकी फिजूलखर्ची से परेशान हो जाते हैं। ऐसे में पेरेंट्स को चाहिए को वह बच्चे को बचपन से ही सेविंग्स की आदत डालें, ताकि वह अपनी पसंद की चीज खुद खरीद सकें। उन्हें अपनी पॉकेट मनी का कुछ हिस्सा पिग्गी बैंक में जमा करने के लिए कहें। साथ ही बच्चों को पैसों की बैल्यू समझाएं और उन्हें कहें कि वह जरूरत पड़ने पर ही पैसे खर्च करें।

टैक्नोलॉजी के शिकार

टैक्नेलॉजी के बढ़ते प्रभाव से बच्चे भी अछूते नहीं है। वे अपने पेरेंट्स को जैसा करते देखते हैं वैसा ही करते हैं। यदि पेरेंट्स टैक्नो एडिक्ट होंगे तो बच्चे भी टैक्नो एडिक्ट ही बनेंगे। इसके लिए जरूरी है कि बच्चों को टीवी, लैपटॉप, स्मार्टफोन और टैबलेट का इस्तेमाल निर्धारित समय सीमा तक ही करने दें।

स्मार्टफोन, टैबलेट और लैपटॉप पर पासवर्ड लगाकर रखें और कुछ दिन बार पासवर्ड बदलते रहें।

डिनर, पूजा और फैमिली गैदरिंग के समय उन्हें टीवी, लैपटॉप, कम्प्यूटर और मोबाइल से दूर रखें।

बच्चों के साथ क्वालिटी टाइम बिताएं और उन्हें वीकेंड में आउटिंग या पिकनिक के लिए ले जाएं।

जब बच्चे हर बात के लिए कहे ना

आजकल बच्चे अपने पेरेंट्स के मुंह पर ही काम करने से मना कर देते हैं। कई बार तो वह यह भी नहीं देखते थे पेरेंट्स थक गए हैं और काम करने से सीधा मना कर देते हैं। ऐसे में उन्हें डांटने या मारने की बजाए प्यार से बात करें और बड़ों का आदर करना सिखाए। इससे वह आरास से आपका कहना मानेंगे।

जब बच्चों पर हो पीयर प्रैशर

बचपन से ही बच्चों में पीयर प्रैशर का असर दिखना शुरू हो जाता है। 11-15 साल के बच्चों पर दोस्तों का दबाव अधिक होता है लेकिन पेरेंट्स इस प्रैशर को समझ नहीं पाते। हालांकि इसका सकारात्मक प्रभाव भी होता है, जैसे कि बच्चा एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टीविटीज में भाग लेने लगता है। मगर कई बार इसका बच्चे इसकी वजह से झूठ, चोरी और स्मोकिंग और क्लास बंक करना जैसी गलत आदतों के आदि हो जाते हैं। ऐसे में पेरेंट्स को चाहिए कि वो बच्चों को सही राह दिखाएं।

बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार रखें, ताकि वह अपनी हर बात आपसे शेयर करें।

उनकी रचनात्मकता को बढ़ावा दें तथा उन्हें मजेदार गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित करें।

उनके दोस्तों के बारे में पूरी जानकारी रखें।

बच्चों के व्यवहार में कोई बदलाव महसूस होने पर तुरंत उनके टीचर्स और दोस्तों से मिलें। इस बारे में उनसे बात करें।

कियारा की बिगड़ी तबीयत, टीम ने साझा की हेल्थ अपडेट

बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी साउथ अभिनेता के साथ अपनी आगामी फिल्म 'गेम चेंजर' की रिलीज की तैयारियों में जुटी हैं। अभिनेत्री शनिवार को एक प्रमोशनल इवेंट में शामिल होने वाली थीं। हालांकि, स्वास्थ्य समस्याओं के चलते वह इस कार्यक्रम का हिस्सा नहीं बन सकी। रिपोर्ट्स के मुताबिक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। अब कियारा की टीम ने उनका हेल्थ अपडेट जारी किया है।

अस्पताल में भर्ती नहीं हुई अभिनेत्री

कियारा की टीम ने एक बयान जारी करते हुए कहा, कियारा आडवाणी को अस्पताल में भर्ती नहीं कराया गया है, उन्हें थकान के कारण आराम करने की सलाह दी गई है, क्योंकि वह लगातार काम कर रही हैं। प्रेस मीट में शामिल होने वाली थीं कियारा मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कियारा आडवाणी राम चरण के साथ गेम चेंजर की प्रेस मीट में शामिल होने वाली थी। हालांकि, तबीयत बिगड़ने की वजह से वह इसमें हिस्सा नहीं ले पाई।

बिग बॉस में हुई थीं शामिल

अभिनेत्री शुक्रवार को सलमान खान के रियलिटी शो 'बिग बॉस 18' के वीकेंड का वार एपिसोड में दिखाई दीं। उन्होंने प्रतिभागियों के साथ बातचीत भी की। शो के सेट से अभिनेत्री की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

कब रिलीज होगी कियारा और राम चरण की फिल्म?

कियारा आडवाणी और रामचरण की फिल्म 'गेम चेंजर' 10 जनवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। गेम चेंजर में, कियारा को राम चरण के किरदार की प्रेमिका के रूप में देखा जाएगा। अभिनेत्री के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे जूनियर एनटीआर और ऋतिक रोशन के साथ 'वॉर 2' में भी दिखाई देंगी।

22 सालों से इंडस्ट्री में काम कर रही, यही मेरे लिए एक बहुत बड़ी अचीवमेंट है

नेहा धूपिया इस साल फिल्म बैड न्यूज में अपनी भूमिका को लेकर चर्चा में रहीं। इसमें उन्होंने अहम रोल प्ले किया था। इस बारे में उनसे हुई खास बातचीत...

बैड न्यूज टेलीविजन पर आ रही है। इसकी एक्साइटमेंट किस तरह से है?

कोई फिल्म जब टेलीविजन पर आती है, तब साबित होता है कि यह अच्छी, इंटरेस्टिंग और एंटरटेनिंग फिल्म है। सिनेमा से निकलकर फिल्म टेलीविजन पर आती है, तब उसकी ऑडियंस और ज्यादा बढ़ जाती है। ज्यादा लोग काम को देखते और सराहते हैं, तब अच्छा लगता है। यह फिल्म स्टार गोल्ड पर रविवार (आज) को आ रही है, इसे लेकर बहुत एक्साइटेड हूं। हम जब शूटिंग करते हैं, तब अपने को-स्टार के साथ बातें होती हैं। उस समय प्रमोशन का प्रेशर हाई होता है। उसके लिए कुछ लाइनें याद करनी पड़ती है लेकिन टेलीविजन पर जब फिल्म आती है, तब थोड़ा रिलैक्स रहते हैं।

बैड न्यूज के दौरान की कोई ऐसी बात बताइए, जो आज भी जेहन में तरोताजा हो?

इस फिल्म की शूट कर रही थी, तब दूसरी बार मां बनी थी। मेरा बेटा मात्र दो महीने का था, इसलिए मेरे लिए शूटिंग करना थोड़ा टफ था। मैं बेटे से 8-10 घंटे से ज्यादा देर तक दूर नहीं रहती थी। यह मेरे लिए बहुत हेक्टिक हुआ था। उस समय मेरा शूट करने का मन नहीं था पर फिल्म इतनी अच्छी थी कि मना नहीं कर पाई। यह सेकंड टाइम मां बनने के बाद मेरा पहला प्रोजेक्ट था, जो हमेशा याद रहेगा। मां बनने के बाद यह मेरा पहला काम है, इसलिए यह मुझे एम्पावर करता है। इसके अलावा निर्देशक आनंद तिवारी, निर्माता करण जौहर और विकी कौशल मेरे दोस्त हैं। यह फिल्म करने के दौरान तृप्ति डिमरी और एमी विर्क को जानने-पहचानने का मौका मिला।

रियल लाइफ में बैड न्यूज से निकलने का तरीका क्या होता है?

हमें बैड न्यूज के बारे में बात करना चाहिए। सबसे जरूरी बात है कि आपको रियलाइज करना है कि यह एक दौर है, जो हमेशा नहीं रहेगा। उससे ज्यादा जरूरी बात यह है कि अगर यह बैड न्यूज इमोशनल है और आप उसको सुधार सकते हैं, तब उसके बारे में अपने करीबी दोस्तों से बात करनी चाहिए। लाइफ में जो होता है, वह अच्छे के लिए होता है। बस हमें स्ट्रॉन्ग रहना चाहिए।

साल 2024 को किस रूप में देखती हैं। 2025 में क्या करेंगी?

मेरे लिए साल 2024 काफी अच्छा रहा। अभी दो महीने रोडीज के लिए शूट करके आई हूं, जो 11 जनवरी 2025 से शुरू हो रहा है। साल 2025 में एक नया ओटीटी शो आ रहा है। मेरी एक इंटरनेशनल फिल्म है, जिसका नाम ब्लू 52 है। यह भी रिलीज होगी। इसके अलावा दो ओटीटी शो भी हैं।

आपको फैंस और ऊंचे पायदान पर देखना चाहते हैं। क्या कहेंगी?

फैंस और दर्शकों को धन्यवाद देती हूं। हमेशा उम्मीद रहती है कि हम भी पर्सनली-प्रोफेशनली और ऊंचाई पाएं पर कई बार स्टेप बैक करना पड़ता है। 22 सालों से काम कर रही हूं, यही मेरे लिए बड़ी अचीवमेंट है।

फिल्म थामा में नजर आएंगी रश्मिका मंदाना

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना फिल्म पुष्पा 2 के बाद आयुष्मान खुराना के साथ नजर आएंगी। दोनों साथ में हॉरर-कॉमेडी फिल्म थामा में दिखाई देंगे। हाल ही में एक्ट्रेस ने आयुष्मान के साथ फिल्म के सेट से एक वीडियो शेयर किया है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर किया है। वीडियो शेयर करते हुए लिखा- उम्मीद है कि आप धमाकेदार हॉलिडे मना रहे होंगे। 2025 में मिलते हैं। इस फिल्म का डायरेक्शन मुंजया फिल्म के डायरेक्टर आदित्य सर्पोतदार कर रहे हैं।

साल 2025 में दिपावली पर रिलीज होगी फिल्म

रश्मिका और आयुष्मान की ये फिल्म साल 2025 में दीपावली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म थामा की स्टोरी वर्तमान की दिल्ली और अतीत का विजयनगर साम्राज्य पर आधारित है।

परेश रावल, नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी नजर आएंगे

फिल्म थामा की अनाउंसमेंट 30 अक्टूबर 2024 को की गई थी। फिल्म में परेश रावल, नवाजुद्दीन सिद्दीकी समेत कई कलाकार नजर आएंगे। जानकारी के मुताबिक, 12 दिसंबर 2024 की रात को फिल्म की शूटिंग शुरू की गई थी। फिल्म की शूटिंग की शुरुआत करते हुए परेश रावल, रश्मिका और आयुष्मान ने अपने कैरेक्टर के इंट्रोडक्शन सीन्स शूट किए थे। ऐसा माना जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग दिल्ली से शुरू की गई थी। फिल्म पुष्पा- 2, 5 दिसंबर 2024 को रिलीज हुई थी। इस फिल्म में रश्मिका मुख्य किरदार में नजर आई थीं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की। फिल्म में रश्मिका ने अल्लू अर्जुन यानी पुष्पाराज की वाइफ श्रीवल्ली का रोल प्ले किया है। बता दें, अब रश्मिका साजिद नाडियाडवाला की फिल्म सिकंदर में सलमान खान के साथ दिखाई देंगी। ये फिल्म साल 2025 में ईद पर रिलीज होगी। इसके साथ एक्ट्रेस फिल्म द गर्लफ्रेंड में भी नजर आएंगी।

शालीन भनोट ने ईशा संग अफेयर पर तोड़ी चुप्पी

एक्टर शालीन भनोट ने अपने साथ ईशा सिंह का नाम जोड़े जाने और अफेयर की खबरों पर रिएक्ट किया है। वह ईशा के कैरेक्टर पर उंगली उठाए जाने से नाराज हैं और वीडियो शेयर किया है। बिग बॉस 18 में अविनाश मिश्रा और ईशा सिंह की केमिस्ट्री खूब चर्चा में बनी हुई है। अविनाश और ईशा ने भले ही सीधे तौर पर कुछ न कहा हो, पर इतना जरूर कबूल किया कि वो एक-दूसरे को पसंद करते हैं और अच्छे दोस्त हैं। पर वीकेंड का वार में जबसे सलमान ने ईशा को चिढ़ाते हुए शालीन भनोट का नाम लिया, तबसे दोनों का नाम साथ जोड़ा जा रहा है। कुछ यूजर्स ने इस वजह से ईशा पर उंगलियां उठानी शुरू कर दीं और कहा कि घर के बाहर शालीन संग अफेयर और अंदर अविनाश मिश्रा के पीछे हैं। यही नहीं, सलमान के खुलासे के बाद करण भी बाद में ईशा से पूछते दिखे कि शालीन खतरों के खिलाड़ी में किसी से पूरे-पूरे दिन फोन पर बात करता था। क्या वो तुम थीं? इस पर ईशा ने कहा था कि नहीं, वो नहीं थीं। उन्होंने सलमान से भी कहा था कि वह और शालीन सिर्फ अच्छे दोस्त हैं। पर अब ईशा और शालीन के अफेयर की खबरें तेज हो गई हैं और उनके रील्स भी वायरल हो रहे हैं। यह सब देख शालीन भनोट खुद को रोक नहीं पाए और वीडियो शेयर किया है। वीडियो में शालीन कह रहे हैं, बहुत लोग बहुत कुछ बोल रहे हैं। मैं सिर्फ इतना ही कहना चाहूंगा कि आप लोग मेरे बारे में बात करते हैं, मुझे कोई प्रॉब्लम नहीं है।

ब्लैक वारंट तिहाड़ जेल की दीवारों के पीछे की कहानी, जहान कपूर का डेब्यू

भारतीय सिनेमा के जाने-माने निर्देशक विक्रमादित्य मोटवानी की आगामी फिल्म ब्लैक वारंट का दमदार ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इस सीरीज में कुणाल कपूर के बेटे और शशि कपूर के पोते जहान कपूर मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इसमें वह तिहाड़ के जेलर रहे सुनील गुप्ता का किरदार निभा रहे हैं। निर्माताओं ने ब्लैक वारंट का ट्रेलर जारी कर प्रशंसकों के बीच उत्साह पैदा कर दिया है। प्रशंसकों को ब्लैक वारंट का ट्रेलर खूब पसंद आ रहा है। जहान की अदाकारी की काफी तारीफ हो रही है। वेब सीरीज ब्लैक वारंट का प्रीमियर 10 जनवरी, 2025 को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर किया जाएगा।

निर्माताओं ने ट्रेलर शेयर करते हुए लिखा, तिहाड़ की भयानक जेल में कौन डर जाएगा और कौन लड़ जाएगा? कुछ वास्तविक घटनाओं पर आधारित। इसकी कहानी लेखक सुनील गुप्ता की लोकप्रिय किताब ब्लैक वारंट पर आधारित है। विक्रमादित्य मोटवानी इस सीरीज के सह-निर्माता भी हैं। जहान के अलावा इस सीरीज में अभिनेता राहुल भट्ट, परमवीर सिंह चीमा, अनुराग ठाकुर, सिद्धांत गुप्ता और राजश्री देशपांडे समेत कई अन्य कलाकार नजर आएंगे।

विक्रमादित्य मोटवाने ने कहा, ब्लैक वारंट ने हमें एक ऐसी दुनिया का पता लगाने का अवसर प्रदान दिया, जो अक्सर दृश्यों से छिपी रहती है- जो कठिन, जटिल और विरोधाभासों से भरी है। तिहाड़ जेल के माध्यम से सुनील के इस सफर को दिखाया गया है। नेटफ्लिक्स, अप्लॉज एंटरटेनमेंट और कॉन्फ्लुएंस मीडिया के साथ साझेदारी ने हमें एक ऐसी कहानी तैयार करने की अनुमति दी जो कच्ची, मनोरंजक और गहराई से मानवीय है। मैं दर्शकों द्वारा इस शक्तिशाली कहानी के भीतर की मानवता और धैर्य को उजागर करने का इंतजार नहीं कर सकता।

स्त्री 2 के साथ वेदा का क्लैश टालना चाहते थे निखिल आडवाणी

निखिल आडवाणी ने जॉन अब्राहिम को लेकर कहा कि एक कम्फर्ट हो गया। हम इंडस्ट्री के बारे में बात नहीं करते। हम फुटबॉल और पॉलिटिक्स को लेकर बात करते हैं। वो हमेशा मुझे एक्सरसाइज करवाने की कोशिश भी करता है। वो हमेशा मुझे सही डाइट को लेकर बात करता रहता है।

वेदा की रिलीज को रोकना चाहते थे

डिजिटल कमेंट्री से बातचीत में वेदा फिल्म को लेकर निखिल आडवाणी ने कहा कि वे सोच रहे थे कि फिल्म रिलीज न हो। मैं तो बहुत कोशिश कर रहा था। पटियाला में वीडियो विज्ञापन शूट कर रहा था, तभी सबके फोन आ रहे थे कि सेंसर बोर्ड ने अभी तक सर्टिफिकेट नहीं आ रहा, मैंने कहा मत आने दो यार। उन्होंने कहा लोगों को फिल्म बहुत पसंद आई। ये बहुत अच्छी फिल्म है।

वेदा को लेकर बताई अपनी राय

आपको बता दें कि निखिल आडवाणी की फिल्म वेदा और स्त्री 2 के साथ खेल खेल में भी बॉक्स ऑफिस पर साथ में रिलीज हुई थी। स्त्री 2 की हाइप इतनी ज्यादा हुई कि उसका असर वेदा पर भी हुआ। निखिल ने कहा कि ये फिल्म लोगों को बहुत पसंद आई। फिल्म में जॉन और अभिषेक बनर्जी की भूमिका को फैंस ने बहुत पसंद किया।

इस दिन रिलीज करना चाहते थे फिल्म

निखिल आडवाणी ने खुलासा किया कि वे चाहते थे कि फिल्म 5 या 6 दिसंबर पर रिलीज हो, क्योंकि ये जातिवाद से जुड़ी फिल्म है। उन्होंने कहा कि वे अपनी गलती और फेलियर से सीखते हैं। इस पर मेरा कंट्रोल नहीं था, मैं अगली बार ऐसी चीजों पर ध्यान रखूंगा।

यश चोपड़ा और यश जौहर को लेकर बोले निखिल

निखिल ने कहा कि यश राज फिल्म में हम जल्दी उठते थे, यश चोपड़ा इसके बाद आते थे और डिमांड करते थे कि वो ऐसा मांगते थे, वैसी चीजें करते थे। उन्होंने कहा कि मैं यश चोपड़ा और यश जौहर का आभारी हूं जिन्होंने मेरे बदलावों को भी अपनाया।

कैंसर से जंग के बीच काम कर रहीं हिना खान? इस शो से मचाएंगी धमाल

अभिनेत्री हिना खान एपिक ऑन की नई थ्रिलर सीरीज गृह लक्ष्मी के साथ वापसी करने के लिए तैयार हैं। स्ट्रीमर ने शो के कलाकारों का परिचय देते हुए सोशल मीडिया पर एक टीजर साझा किया है।

उत्तराखंड के नैनीताल जिले में स्थापित, कहानी हिना के किरदार लक्ष्मी पर आधारित है। पिछले साल जून में हिना को स्टेज 3 ब्रेस्ट कैंसर का पता चला था। तब से वह अपने प्रशंसकों को अपने इलाज और कीमोथेरेपी के बारे में बताती रही हैं। टीवी धारावाहिक ये रिश्ता क्या कहलाता है में अक्षरा के रूप में अपनी भूमिका के लिए प्रसिद्धि प्राप्त की थी।

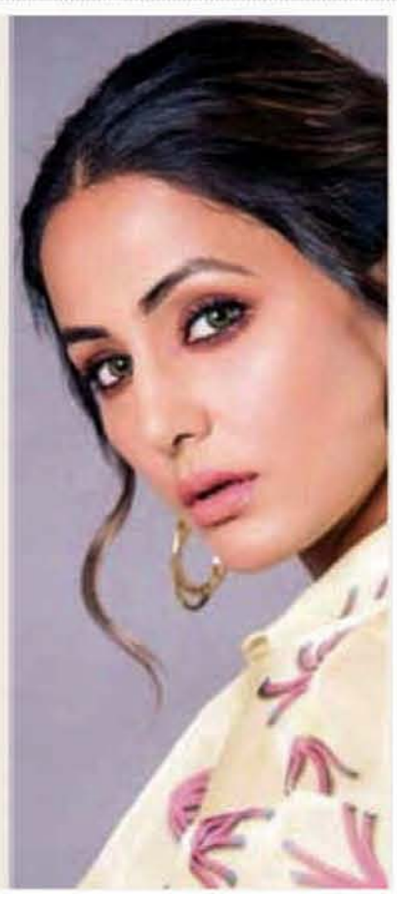

त्रिवेणी में सांसद ने सपत्नी लगाई आस्था की डुबकी

संगम में दिव्य स्नान कर जीवन हो गया सफल : डॉ. महेश शर्मा

प्रयागराज (ब्यूरो)। महाकुम्भनगर में आस्था और श्रद्धा का महापर्व चल रहा है, जहां देश-विदेश से श्रद्धालु पुण्य लाभ अर्जित करने के लिए आ रहे हैं। सबसे बड़ा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजन महाकुम्भ अपनी दिव्यता और भव्यता के लिए दुनियाभर में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस सबसे बड़े धार्मिक आयोजन में शामिल होने के लिए गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद डॉ. महेश शर्मा भी प्रयागराज पहुंचे।

सांसद व पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ महेश शर्मा ने अपनी धर्मपत्नी डा. उमा शर्मा के साथ महाकुंभ-2025 के अभूतपूर्व एवं ऐतिहासिक अवसर पर प्रयागराज स्थित पवित्र त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई। सांसद ने इस दौरान माँ गंगा से प्रार्थना है कि वे सभी का कल्याण करें। महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाने के बाद सांसद डॉ. महेश शर्मा ने परमार्थ निकेतन आश्रम पहुंचकर परम पूज्य संत स्वामी चिदानंद जी का मंगलमय आशीर्वाद प्राप्त किया। महाकुंभ में सांसद डॉ. महेश शर्मा ने त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान कर मां गंगा, यमुना और सरस्वती को नमन किया। उन्होंने इसे धार्मिक महापर्व बताते हुए कहा कि संगम में डुबकी लगाना अपने आप में बहुत बड़े धर्म का काम है।

इस दौरान उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े आयोजन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बधाई के पात्र हैं, जो उन्होंने महाकुम्भनगर में दुनिया का सबसे बड़ा आयोजन किया। सांसद डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि संगम में दिव्य स्नान कर हमारा जीवन सफल हो गया है।

यह हमारे लिए गर्व और सौभाग्य की बात है कि हम इस ऐतिहासिक महाकुम्भ का हिस्सा बने। मानवता के इतिहास का सबसे बड़ा आयोजन चल रहा है, जो 144 साल बाद आया है। इस भव्य आयोजन के लिए उन्होंने केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार को शुभकामनाएं भी दीं। महाकुम्भ में प्रशासन की तैयारियों की सराहना करते हुए डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि इतनी भव्य व्यवस्था करना आसान नहीं होता, लेकिन यूपी सरकार ने इसे संभव कर दिखाया है।

परिवार को डिजिटल अरेस्ट कर 1.10 करोड़ रुपये ठगे

नोएडा (चेतना मंच)। साइबर जालसाजों ने एलआईसी के रिटायर्ड मैनेजर को परिवार के साथ मनी लॉन्ड्रिंग में फंसाने का झांसा देकर डिजिटल अरेस्ट कर लिया। पांच दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर तरह-तरह की धमकी देकर डरा दिया और एक करोड़ 10 लाख रुपये की ठगी कर ली। जब पीड़ित को साइबर ठगी की जानकारी हुई तब पुलिस से शिकायत की। इस मामले में साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस उन खातों की जांच कर रही है। जिनमें साइबर ठगी की रकम भेजी गई है।

पालीवाल एलआईसी के सेवानिवृत मैनेजर हैं। इनके पास एक फरवरी को दोपहर दो बजकर 40 मिनट पर एक अनजान नंबर से कॉल आई। कॉलर ने कहा कि दो घंटे के भीतर ट्राई से संपर्क कर लें नहीं तो सिम बंद हो जाएगा। इसके बाद बताया कि आपका मामला मुंबई साइबर क्राइम ब्रांच में चल रहा है।

करीब दस मिनट बाद कथित मुंबई के कोलाबा पुलिस स्टेशन से एक फोन आया और उसने खुद को आईपीएस राजीव कुमार बताकर वीडियो कॉल पर बात शुरू की। वीडियो में ग्रेटर मुंबई पुलिस का लोगो दिखाई दे रहा था। कथित आईपीएस ने कहा कि आपके खिलाफ देश भर में अलग-अलग जगहों पर 24 केस दर्ज हैं। ये सभी केस लोगों को डरा धमकाकर पैसा वसूलने से लेकर मनी लॉन्डिंग के हैं।

चंद्रधान के नाम से केनरा बैंक मुंबई में एक बैंक खाता खोला गया है। उस बैंक से पैसा निकालकर दूसरे खाते में डाला गया है। सारा पैसा मनी लॉन्ड्रिंग का है। यह सब सुनकर पीड़ित डर गए। इसके बाद यह कहकर और भी डरा दिया गया कि उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट है। इसमें उसकी तुरंत गिरफ्तारी होगी। इसके लिए आधार कार्ड की जांच के लिए कैमरे को सामने लाकर फोटो लिया गया। पांच दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखने के बाद एक करोड़ दस लाख रुपये अलगअलग खातों में ट्रांसफर करा लिए।

सीईओ ने सेक्टर 98-96 का किया दौरा, दिये कई निर्देश

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम. ने सेक्टर-98 तथा सेक्टर-96 में कार्यों का निरीक्षण किया तथा मातहत अफसरों को कई निर्देश दिये।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी लोकेश एम. ने नोएडा के विभिनन क्षेत्रों का भ्रमण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपयालक अधिकारी श्रीमती वन्दना त्रिपाठी, उप महाप्रबन्धक (सिविल) विजय रावल, निदेशक (उद्यान) आनन्द मोहन इत्यादि अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने सैक्टर-98 में स्काईमार्क के समीप प्रगतिरत क्रॉसिंग के सौन्दर्यीकरण तथा फूड जोन के विकास कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उक्त कार्य में सौन्दर्यीकरण एवं लाईटिंग इत्यादि कार्य उच्चस्तरीय सम्पादित कराने हेतु निर्देश दिये।

स्थल पर पूर्व में बी.ओ.टी. के आधार पर एक टॉयलेट का निर्माण किया गया था। जिसको उन्होंने अन्यत्र शिफ्ट किये जाने के लिए निर्देशित किया गया। साथ ही स्थल से गुजर रही बिजली की लाईन की शिफ्टिंग के भी निर्देश दिये। जिसके सम्बन्ध में कार्य प्रगतिरत है। इसके अतिरिक्त उक्त फूड जोन में जनमानस के बैठने के स्थान को गर्मियों के अनुकूल बनाने हेतु वहां गर्मियों के अनुसार वृक्षारोपण किये जाने हेतु उद्यान विभाग को निर्देशित किया गया। सीईओ ने इस दौरान सैक्टर-96 में निर्माणाधीन ऑफिस बिल्डिंग के दोनो तरफ स्थित मास्टर ग्रीन बेल्ट, स्काईमार्क सैक्टर-98 के सामने स्थित ग्रीन बैल्ट एवं विंडसर ग्रैंड सैक्टर-126 के सामने स्थित ग्रीन बैल्ट का उच्चस्तरीय सौन्दर्यकरण कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

आइथम गलेरिया मॉल की 12वीं मंजिल से लगाई छलांग, मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बीटा- दो क्षेत्र में स्थित जेपी ग्रीन सोसाइटी में रहने वाले जेसीबी मशीन के एक डीलर ने मानसिक तनाव के चलते आइथम गलेरिया मॉल के बारहवीं मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर लिया। मृतक की उम्र 60 वर्ष है। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना बीटा- दो के प्रभारी निरीक्षक विद्युत गोयल ने बताया कि आशीष आनंद पुत्र बलदेव आनंद निवासी जेपी ग्रीन सोसाइटी किशन कोट मे स्थित एक फ्लैट में रहते थे। उन्होंने बताया की बीती रात को वह थाना बीटा-2 दो क्षेत्र में स्थित आइथम गलेरिया मॉल में खरीदारी करने गए थे। मॉल से मानसिक तनाव के चलते उन्होंने 12वीं मंजिल से छलांग लगा दिया।

इस घटना में उनकी मौके पर मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मृतक की पत्नी के अनुसार उन्होंने आत्महत्या किया है। उनकी ग्रेटर नोएडा में जेसीबी बेचने के लिए ऑथराइज्ड डीलरशिप है। पुलिस मृतक की पत्नी से आत्महत्या के कारण के बारे में जानकारी हासिल कर रही है। बताया जाता है कि वह मानसिक तनाव में थे, दिन में भी उनकी कार कहीं पर टकरा गई थी।

थाना फेस- वन के प्रभारी निरीक्षक अमित भड़ाना ने बताया कि सेक्टर 15 में रहने वाली श्वेता सत्यार्थी पुत्री कृष्ण कुमार उम्र 21 वर्ष ने अपने घर पर सोमवार को पंखे से फंदा लगा लिया। उसे गंभीर हालत में उपचार के लिए एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां पर डॉक्टर ने उसको मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

थाना सेक्टर सूरजपुर के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार चाहर ने बताया कि रेनू पत्नी मानसिंह उम्र 32 वर्ष ने अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। उन्होंने बताया कि वह लखनावली गांव में रहती थी। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

ट्रॉला से टकराई बस दो महिलाओं की मौत

नोएडा (चेतना मंच)। आगरा-कानपुर हाईवे पर सोमवार तड़के करीब 4:30 बजे महाकुंभ से लौट रही निजी बस (25 सीटर ट्रैवलर) सड़क किनारे खड़े ट्रॉले से टकरा गई। हादसे में नोएडा सेक्टर-128 स्थित सुल्तानपुर निवासी मीरा (35) पत्नी मनोज व मीरा (55) पत्नी प्रमोद झा की मौत हो गई, जबकि 23 गंभीर रूप से घायल हो गए। करीब 25 मिनट बाद घायलों को जिला अस्पताल लाया गया। फिलहाल चालक को झपकी आने से हादसे की आशंका व्यक्त की जा रही है।

सुल्तानपुर गांव से प्रयागराज गई थी बस

महाकुंभ से श्रद्धालुओं को स्नान करवाकर निजी बस दिल्ली लौट रही थी। आगरा-कानपुर हाईवे स्थित सुल्तानपुर कला समीप हाईवे किनारे एक खराब ट्रॉला खड़ा था। सवारियों से भरी बस ट्रॉले से जा टकराई। हादसे के बाद श्रद्धालुओं में चीख-पुकार मच गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि बस का आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना पर थाना पुलिस और एनएचएआई की टीम पहुंची। बस को हाइड्रा मशीन से काटकर किसी तरह चालक को बाहर निकाला गया। पांच एंबुलेंस से घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद नोएडा सेक्टर-128 स्थित सुल्तानपुर निवासी बस चालक सरमन कुंजबिहारी (45) व कुसुम (49) पत्नी सुनील को नाजुक हालत में सैफई आयुर्विज्ञान विवि रेफर कर दिया गया। वहीं, अन्य घायलों का जिला अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। एसओ अमित मिश्रा ने बताया कि प्रथम दृष्टया हादसा चालक के झपकी आने से हुआ है। बस में एक ही चालक होने की बात जांच में सामने आई है। घटना में दो महिलाओं की जान चली गई है।

पॉश सेक्टर में चेकिंग, मजदूरों को कराना होगा वेरिफिकेशन

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के पॉश सेक्टर-105 में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। सेक्टर-82 कट के पास स्थित पुलिस चौकी के इंचार्ज चरण सिंह राणा ने सेक्टर में RWA के पदाधिकारी और निवासियों के साथ मिलकर सेक्टर में चेकिंग अभियान चलाया।

सेक्टर-105 RWA के अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने बताया कि सेक्टर में अधिकतर कंप्लीशन हाउसेस खाली पड़े हैं। उन खाली पड़े कंप्लीशन हाउसेस में बिना वेरिफिकेशन के काफी सारे मजदूर रह रहे हैं जो सेक्टर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बड़ा सवाल है।

नोएडा के 82 कट पुलिस चौकी के इंचार्ज चरण सिंह राणा ने सैक्टर के पार्कों में और सड़कों पर घूम रहे संदिग्ध लोगों से पूछताछ की, जो लोग बिना किसी कारण के सेक्टर में घूम रहे थे उन्हें सख्त चेतावनी देकर छोड़ दिया गया।

कंप्लीशन हाउस में रह रहे मजदूर और कंस्ट्रक्शन साइट पर कार्य कर रही लेबर से भी पूछताछ की और पुलिस वेरिफिकेशन कराने के लिए कहा गया। पुलिस वेरिफिकेशन ना करने पर सख्त कार्यवाही किये जाने की चेतावनी भी मजदूर को दी गई।

सेक्टर में चेकिंग के दौरान नियमों का उलंघन कर वाहन चला रहे युवकों के चालान भी काटे गए। 82 कट पुलिस चौकी इंचार्ज चरण सिंह राणा ने RWA अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय और सेक्टर के सभी निवासियों को सेक्टर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आश्वासन दिया और आगे भी सेक्टर में चेकिंग अभियान चलने की बात कही।

सेक्टर में चेकिंग के दौरान 82 कट पुलिस चौकी के उपनिरीक्षक सुकराम सिंह ,करण मनोचा , राजवीर शर्मा , कपिश अग्रवाल , कपिल चौहान , सचिन चौहान आदि अधिकांश निवासी मौजूद रहे।